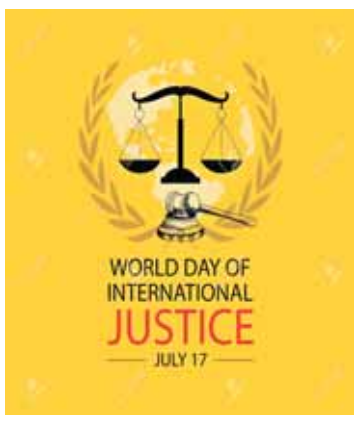

दैनिक **सांध्य प्रकाश**

भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 03/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 17 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 82,450 पर कारोबार कर रहा

मुंबई। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार, 17 जुलाई को सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 82,450 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 60 अंक की गिरावट है, ये 25,160 के ऊपर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स 30 शेयरों में से 16 में गिरावट है। टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो) और ICICI बैंक के शेयरों में 2% तक की गिरावट। SBI, टाटा मोटर्स और ट्रेंट के शेयरों में मामूली तेजी है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर को लगातार आठवीं बार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मिला। ऐसे ही सूरत को दूसरा स्थान मिला। इससे पहले मध्य प्रदेश का इंदौर लगातार सात बार देश के सबसे स्वच्छ शहर बनने का खिताब हासिल कर चुका है। इस बार इंदौर को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 की सुपर लीग में शामिल किया गया। सुपर लीग में सिर्फ उन्हीं 23 शहरों को शामिल किया गया, जो अब तक हुए सर्वेक्षणों में पहले, दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे हैं। इंदौर ने सुपर लीग 2024-25 में भी बाजी मार ली है। राजधानी भोपाल ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित किया गया है। भोपाल ने इस बार तीन स्थान की छलांग लगाई है और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया है। पुरस्कार लेने के लिए भोपाल की महापौर मालती राय और निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण बुधवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। उज्जैन को भी पुरस्कार मिला। उज्जैन नगर निगम को 3 से 10 लाख की जनसंख्या श्रेणी में 'सुपर स्वच्छता लीग' में पहला पुरस्कार मिला है। यह सम्मान महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव और आयुक्त आशीष पाठक ने राष्ट्रपति के हाथों ग्रहण किया। उज्जैन को इस उपलब्धि पर देश में अपनी श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जो नगर के लिए गर्व का विषय है। महापौर मुकेश टटवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस उपलब्धि में नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई मित्रों और नागरिकों की भागीदारी सराहनीय रही। उन्होंने सभी को बधाई दी और उज्जैनवासियों का आभार प्रकट किया, जिनकी सहभागिता के बिना यह सम्मान संभव नहीं था।

वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में इंदौर लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहरों में शीर्ष स्थान पर रहा। इसके बाद सूरत और नवी मुंबई का स्थान रहा। भोपाल स्वच्छता सर्वेक्षण में देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित किया गया है। भोपाल ने इस बार तीन स्थान की छलांग लगाई है और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया है। 3-10 लाख जनसंख्या वर्ग में चंडीगढ़ सबसे स्वच्छ शहर रहा, उसके बाद नोएडा और उज्जैन का स्थान रहा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

इंदौर लगातार 8वीं बार भारत का सबसे स्वच्छ और भोपाल दूसरे नंबर का शहर

पहले पायदान की रेस में इंदौर के साथ सूरत और पुणे भी थे. हालांकि बाजी फिर इंदौर के नाम रही. इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटीज कैटेगरी में ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया. सूरत, नवी मुंबई को शीर्ष शहरों में स्थान मिला है।

उज्जैन ने भी बढ़ाया मध्यप्रदेश का मान, सुपर स्वच्छता लीग में मिला पुरस्कार

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत गुरुवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देशभर के नगरीय निकायों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर मध्यप्रदेश के कई शहरों ने सराहनीय प्रदर्शन किया, जिनमें उज्जैन ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

उज्जैन नगर निगम को 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में 'सुपर स्वच्छता लीग' का पहला पुरस्कार प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव और आयुक्त आशीष पाठक ने राष्ट्रपति से प्राप्त किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ उज्जैन ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर नगरवासियों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

राज्यपाल ने दिलाई शपथ, उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने दी शुभकामनाएं

संजीव सचदेवा बने 29वें मुख्य न्यायाधिपति

भोपाल। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने गुरुवार को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण की। यह शपथ राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन में आयोजित समारोह के दौरान उन्हें दिलाई। न्यायमूर्ति सचदेवा मई से ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे रहे थे। अब उन्हें प्रदेश के उच्च न्यायालय का 29वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। समारोह में प्रदेश के मुख्य सचिव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी की गई अधिसूचना पढ़कर सुनाई, जिसमें न्यायमूर्ति सचदेवा को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की पुष्टि की गई थी। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा का जन्म 26 दिसंबर 1964 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1985 में श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य में ऑनर्स की स्नातक डिग्री प्राप्त की। इसके पश्चात, उन्होंने 1988 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से एलएल.बी. की डिग्री हासिल की। वे 1 अगस्त 1988 को दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए और उसी वर्ष विधिक पेशे में सक्रिय रूप से शामिल हो गए। जस्टिस संजीव सचदेवा को 24 मई 2025 को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। उन्होंने यह पद जस्टिस सुरेश कुमार कैत की सेवानिवृत्ति के बाद संभाला। इससे पहले भी वे 9 जुलाई 2024 से 24 सितंबर 2024 तक प्रदेश में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इससे पहले, 30 मई 2024 को उनका स्थानांतरण दिल्ली हाईकोर्ट से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में किया गया था।

जयपुर में बारिश के मौसम ने रोका रास्ता अमित शाह का हेलीकॉप्टर नहीं उड़ पाया

जयपुर। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह आज गुरुवार दोपहर करीब सवा बारह बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से करीब 22 किमी दूर दादिया (सभास्थल) के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना होना था। खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ नहीं पाया। इसके बाद वह सड़क मार्ग से दादिया पहुंचे। दादिया में शाह ने पुलिस के 100 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद सहकार उत्पादों की प्रदर्शनी देखी। उधर, सभा में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- 5 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। 28 हजार पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा रहा है। चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देना सुनिश्चित किया जाएगा। शाह ने सरकारी नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। अमित शाह ने 500 मीट्रिक टन के 24 अनाज गोदाम और 64 मिलेट्स केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन किया। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 1400 गोपालकों को 12 करोड़ के लोन वितरित किए गए।

भारत माता की जय के साथ अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने युवाओं-किसानों से हाथ उठाकर भारत माता की जय बोलने का आह्वान किया। इसके साथ ही, राजस्थान की धरती को प्रणाम किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता वर्ष का उद्घाटन किया था। इसी कड़ी में तमाम कार्य हो रहे हैं। विगत 100 साल में सहकारिता ने देश के विकास में योगदान दिया है। आने वाला 100 साल सहकारिता के विकास के नाम है। इसी के लिए पीएम ने सहकारिता का अलग से विभाग बनाया। देश में धान-गेहूं की खरीदारी में 20 प्रतिशत योगदान सहकारिता का है।

हिमाचल में अब-तक 109 की मौत, 818 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक 109 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाओं से 818 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से बुधवार को अमरनाथ यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड हुई। गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए। यात्रा गुरुवार को दिनभर के रोक दी गई है। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में

लगातार बारिश की वजह से ग्रामीण इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लोग सामान लेकर सुरक्षित स्थान की ओर जा रहे हैं। वहीं, बिहार के अलग-अलग जिलों में बुधवार को बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, राज्य में इस सीजन में औसत से 46त्न कम बारिश हुई है।

अमरनाथ यात्रा रुकी, अब-तक 2.47 लाख तीर्थयात्री दर्शन कर चुके- जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी के बाद अमरनाथ यात्रा गुरुवार को दिनभर के लिए रोक दी गई। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से पटरियों की तुरंत मरम्मत किए जाने की जरूरत है। इस वजह से फैसला किया गया है कि आज दोनों रूटों पर किसी भी प्रकार की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी।

लगातार हो रही बारिश से भोपाल के एमपी नगर स्थित ज्योति टाकीज के सामने की सड़क धसी।

सांध्यप्रकाश विशेष

टीम इंडिया से मिले किंग चार्ल्स कप्तान गिल से कहा- लॉर्ड्स में तब कैसा महसूस हुआ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीम को एक विशेष अवसर मिला, जब उन्हें ब्रिटेन के सम्राट किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करने का निमंत्रण मिला। इस ऐतिहासिक मुलाकात की जानकारी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसी) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दी और बताया कि यह अनुभव खिलाड़ियों के लिए बेहद यादगार रहा। राजीव शुक्ला ने बताया कि किंग चार्ल्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के बारे में गहराई से जानकारी जुटा रखी थी। खासकर जब वे तेज़ गेंदबाज़ आकाश दीप से मिले, तो उन्होंने उनकी बहन के स्वास्थ्य के बारे में विशेष रूप से जानकारी ली। आकाश दीप की बहन इस समय कैंसर से जूझ रही हैं और खिलाड़ी ने इस संघर्ष को दूसरे टेस्ट के बाद सार्वजनिक किया था। किंग चार्ल्स की इस मानवीय संवेदनशीलता ने खिलाड़ियों को भावुक कर दिया। मुलाकात के दौरान किंग चार्ल्स ने तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज से भी बातचीत की और उन्हें सांत्वना दी। तीसरे टेस्ट की अंतिम पारी में सिराज के आउट होने के बाद वे काफी भावुक हो गए थे। इस पर किंग चार्ल्स ने कहा कि उनका आउट होना दुर्भाग्यपूर्ण था और यह संकेत दिया कि वे खेल की बारीकियों पर भी नजर रखते हैं। राजीव शुक्ला ने आगे कहा, ÷किंग चार्ल्स बेहद विनम्र और समझदार व्यक्ति हैं।

एअर इंडिया हादसे की रिपोर्ट पर विवाद

एफआईपी ने एएआईबी की प्रारंभिक जांच पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। अहमदाबाद में एअर इंडिया की उड़ान AI-171 की दुखद दुर्घटना को लेकर भारतीय पायलट महासंघ (FIP) ने प्रारंभिक निष्कर्षों और सार्वजनिक चर्चा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। FIP ने जांच प्रक्रिया से पायलट प्रतिनिधियों को बाहर रखे जाने पर कड़ा असंतोष जताया। महासंघ ने प्रारंभिक रिपोर्ट की व्याख्या और इसे सार्वजनिक करने के तौर-तरीकों पर भी आपत्ति दर्ज की है।

FIP के अनुसार, रिपोर्ट में व्यापक आंकड़ों की कमी है और यह चुनिंदा रूप से कॉकपिट रिकॉर्डिंग पर आधारित होकर पायलट की गलती साबित करने का प्रयास करती है। यह दृष्टिकोण निष्पक्ष और पूर्ण नहीं है। महासंघ ने जनता और अपने सदस्यों से ऐसी जल्दबाजी भरी धारणाओं पर विश्वास न करने की अपील की है।

FIP ने कहा कि ऐसी अटकलें चालक दल की व्यावसायिकता को कमजोर करती हैं, उनका मनोबल तोड़ती हैं और उनके परिवारों व सहकर्मियों के लिए परेशानी का कारण बनती हैं। महासंघ ने सभी हितधारकों से बेतुकी बयानबाजी से बचने का आग्रह किया और विमानन सुरक्षा, सत्यनिष्ठा व निष्पक्ष प्रक्रिया की मांग की। स्त्रढ्डक्क ने चालक दल और उनके परिवारों के साथ एकजुटता जताते हुए निष्पक्ष, पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित जांच की आवश्यकता दोहराई।

सांसदों के खाने में अब फिट इंडिया का फ्लेवर, बिरला की पहल पर संसद के लिए तैयार किया नया मेनू

नई दिल्ली। रागी इडली से लेकर ग्रिल्ड फिश तक अब संसद में स्वाद और सेहत की जुगलबंदी दिखेगी. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की पहल पर संसद की कैंटीन में हेल्थ-फर्स्ट मेन्यू लॉन्च किया गया है। इसमें मिलेट्स, लो-कैलोरी, हाई-प्रोटीन और न्यूट्रिशन से भरपूर डिशेज़ शामिल की गई हैं। सांसद, अधिकारी और विज़िटर अब मूंग दाल चिल्ला, ज्वार उपमा, शुगर-फ्री खीर और हर्बल ड्रिंक्स जैसे ऑप्शन्स में से अपनी पसंद चुन सकेंगे और वो भी बिना स्वाद से समझौता किए। अब संसद की थाली में तली-भुनी चीजें नहीं, फिटनेस का तड़का होगा। इस बदलाव का मकसद है लंबे डिबेटिंग ऑवर्स के बीच भी सांसदों को सेहतमंद और एक्टिव बनाए रखना। मेन्यू में हर डिश के सामने उसकी कैलोरी वैल्यू भी दी गई है, ताकि सांसद डाइट कॉन्शस चॉइस ले सकें। ये बदलाव सिर्फ एक कैंटीन अपग्रेड नहीं है बल्कि देश के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल का मैसेज हैजएकदम फिट इंडिया वाली सोच के साथ।

अब सांसदों, आगंतुकों को मिलेगा 'सेहतमंद आहार'

आधुनिक न्यूट्रिशनल जरूरतों के साथ जोड़ा गया

संसद के इस स्पेशल हेल्थ मेन्यू में भारतीय परंपरागत व्यंजनों को आधुनिक न्यूट्रिशनल जरूरतों के साथ जोड़ा गया है। खास बात ये है कि हर डिश के साथ उसकी कैलोरी वैल्यू भी मेंशन की गई है ताकि खाने वाला अपनी डाइट को समझदारी से चुन सके। नई व्यवस्था के तहत संसद की कैंटीन अब उन सांसदों के लिए भी हेल्दी ऑप्शन दे रही है, जो लंबी बहसों और बैठकों के दौरान जंक फूड से बचना चाहते हैं। मेन्यू में अब हर्बल टी, ग्रीन टी, मसाला सत्तू और गुड़ वाले आम पन्ना जैसे हेल्दी ड्रिंक्स भी शामिल हैं।

इस मेन्यू का मकसद है हेल्दी लाइफस्टाइल का संदेश

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल ही में 'मन की बात' में ज्यादा तेल और चीनी के सेवन से होने वाली बीमारियों पर चेताया था और देशभर में हेल्दी ईटिंग को लेकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया था। इस मेन्यू का मकसद सिर्फ स्वाद बदलना नहीं बल्कि सांसदों और सरकार के प्रतिनिधियों के ज़रिए देश में हेल्दी लाइफस्टाइल का संदेश फैलाना भी है। इसी सोच के तहत फिट इंडिया मूवमेंट, ईट राइट इंडिया, पोषण अभियान, एनपी-एनसीडी और खेलो इंडिया जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष खुद सदन सत्र के दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगवाते हैं और न्यूट्रिशन पर विशेषज्ञों की लेक्चर भी आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव झा को लेखक प्रलय श्रीवास्तव ने पुस्तक मध्यप्रदेश में चुनाव और नवाचार की प्रति भेंट की

भोपाल। लेखक और जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त संचालक प्रलय श्रीवास्तव ने मध्य प्रदेश के नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव झा से मुलाकात कर उन्हें अपनी पुस्तक मध्य प्रदेश में चुनाव और नवाचार की प्रति भेंट की। संजीव झा ने पुस्तक का अवलोकन कर मध्यप्रदेश के निर्वाचन संबंधी इतिहास और संदर्भित सामग्री की सराहना की। संजीव झा ने लेखक प्रलय श्रीवास्तव को इसी प्रकार पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया। लेखक प्रलय श्रीवास्तव लगभग तेरह वर्ष तक मध्यप्रदेश के लोकसभा, विधानसभा के तीन आम चुनाव तथा सागर संभाग में साल 2022 में हुए नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव का कार्य देख चुके है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री संजीव झा ने गत 15 जुलाई को मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पद का दायित्व संभाल लिया है।

प्रवीण कक्कड़ ने मां की स्मृति को किया समर्पित

पीके का फंडा की पहली प्रति राज्यपाल को भेंट

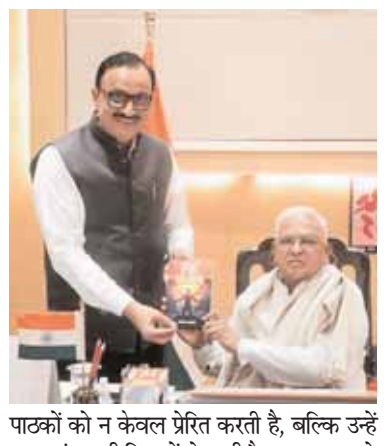

भोपाल/इंदौर। प्रख्यात सामाजिक चिंतक, लेखक और पूर्व पुलिस अधिकारी प्रवीण कक्कड़ ने अपनी नई चिंतनपरक कृति पीके का फंडा की प्रथम प्रति मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल को राजभवन में सादर भेंट की। यह अवसर केवल एक पुस्तक भेंट नहीं, बल्कि प्रेरणा, श्रद्धा और सार्थक विचारों के संगम का साक्षी बना। श्री कक्कड़ ने इस दिन को अपने जीवन का एक अत्यंत भावपूर्ण क्षण बताया, क्योंकि 16 जुलाई उनकी पूज्यनीय माता, स्व. श्रीमती विद्यादेवी कक्कड़ जी की जयंती भी है। उन्होंने भावुकता से कहा, ÷यह पुस्तक मैंने माँ की पावन स्मृति को समर्पित की है। जीवन में जो कुछ भी मैंने पाया, उसमें उनकी प्रेरणा, संस्कारों और मूल्यों की गहरी छाया है।÷ यह समर्पण पुस्तक के मूल भाव–आत्मिक जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन–से गहरे जुड़ाव को दर्शाता है।

शिवना प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है। यह कृति प्रवीण कक्कड़ के प्रशासनिक, सामाजिक और निजी अनुभवों का ऐसा समावेश है, जो पाठकों को न केवल प्रेरित करती है, बल्कि उन्हें आत्ममंथन की दिशा में ले जाती है–यह स्पष्ट करते हुए कि वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत भीतर से होती है, न कि बाहरी परिवेश से।

राज्यपाल को पुस्तक भेंट करने के इस विशेष अवसर पर प्रवीण कक्कड़ के सुपुत्र सलिल कक्कड़, तथा पीके का फंडा टीम से सुमित अवस्थी और प्रकृति चटर्जी भी उपस्थित रहे।

आत्ममंथन का निमंत्रण: शिवना प्रकाशन प्रमुख पंकज सुबीर ने एक प्रेरक और चिंतनपरक कृति बताया। उन्होंने कहा, यह केवल एक किताब नहीं, बल्कि जीवन की आपाधापी में कुछ पल ठहरकर, भीतर झाँकने और स्वयं से संवाद करने का हार्दिक निमंत्रण है।

बेस्टसेलर, पाठकों का अपार स्नेह : शिवना प्रकाशन के संपादक शहरयार ख़ान ने बताया कि ÷पीके का फंडा÷ ने अपनी रिलीज़ से पहले ही पाठकों के बीच असाधारण लोकप्रियता प्राप्त की है। अमेज़न की प्री-बुकिंग बेस्टसेलर रैंकिंग में यह पुस्तक पहले स्थान पर रही, और अब तक 1000 से अधिक प्रतियाँ ऑनलाइन प्री-बुक हो चुकी हैं। यह उपलब्धि लेखक की विचारशील लेखनी और पाठकों के अटूट विश्वास का प्रमाण है। गौरतलब है कि इससे पहले प्रवीण कक्कड़ की पहली पुस्तक दंड से न्याय तक को अंतरराष्ट्रीय शिवनाकृति सम्मान प्राप्त हो चुका है।

शिव तत्व विचार

श्रावण मास में शिव पूजन और शिव स्मरण करते हुए यह भी जानें कि भगवान शिव अपनी जटाओं में माँ गंगा को क्यों धारण करते हैं। आपके पास उच्च विचारों की, आदर्श विचारों की पवित्र विचारों की एवं ज्ञान की गंगा होगी तो संसार की विषम परिस्थितियाँ आपको प्रभावित नहीं कर पायेगी। इस दुनिया में आगे बढ़ने के लिए और शांति पाने के लिए आवश्यक है, कि अपने आप को सकारात्मक, ज्ञानमय व आदर्शमय विचारों से सम्पन्न रखा जाए। छोटी-छोटी बातों से खिन्न हो जाना, उदास हो जाना, निराश हो जाना, यह दुःख को आमंत्रण देने जैसा है। दुःख का बहुत ज्यादा स्मरण रखने से कई बार मन में दुःख इस तरह प्रवेश कर जाता है, कि फिर जीवन भी दुःखमय ही लगने लगता है। शिवजी की तरह ज्ञान की गंगा में, भगवद् चिन्तन की गंगा में, भगवद् भजन की गंगा में नहाओ, ताकि आपका संपूर्ण जीवन आनंदमय बन सके।

प्राइमरी स्कूल बीडीए एवं मिडल स्कूल अमरावत खुर्द के 200 बच्चों को वितरण किए बैग

भोपाल। शासकीय प्राइमरी स्कूल बीडीए कॉलोनी एवं अमरावत खुर्द में स्कूली बच्चों को मध्य प्रदेश शासन में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर ने स्कूल के सभी बच्चों को बैग वितरित किए आयोजक अतुल कुमार अंजान ने बताया कि माननीय ,मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर के नेतृत्व में विगत 5 वर्षों से बीडीए एवं अमरावत खुर्द में स्थित स्कूल मैं बच्चों को विभिन्न तरह के सामग्री उपलब्ध कराई जाती है एवं मंत्री ने बच्चों को उत्साह वर्धन उद्बोधन किया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मनीष शर्मा जी संकुल प्राचार्य स्मिता मेश्राम, अर्पिता सिंह चौहान,डॉक्टर करण सिंह स्कूल प्राचार्य शोभना उपाध्याय, विधानसभा प्रभारी गणेश राम नगर, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धोटे क्षेत्रीय वार्ड क्रमांक 60 पार्षद बी शक्ति राव, अवधपुरी मंडल के पूर्व अध्यक्ष किशन बंजारे ,61 वार्ड की पार्षद मधु शिवनानी की उपस्थित मे कार्यक्रम संपन्न किया गया जिसमें मुख्य रूप से अवधपुरी के मंडल महा मंत्री संजय शिवनानी,

अंकित मेश्राम, मंत्री रुपेश पाटिल, खुशबू सिंह, विधायक प्रतिनिधि आनंद पाठक, पुष्पराज रघुवंशी, नवीन गुर्जर, समरजीत यादव, तेजस्वी धोटे,विनोद चौकसे, मलखान सिंह, महासंघ के सचिव श्री नागर, मुन्नालाल रैकवार, जे.पी.पटेल जी कमलेश परमार, जसवंत सिंह, भास्कर राव एवं सभी स्कूल एवं संजीवनी के स्टाफ स्थानीय लोग कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दीक्षांत समारोह संपन्न

भोपाल। एलएनसीटी विश्वविद्यालय में हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए एक भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ विभिन्न देशों से आए विद्यार्थियों ने अपनी शिक्षा पूरी कर उपाधियां प्राप्त कीं। यह समारोह वैश्विक शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक शानदार उत्सव था, जिसने भारत को वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। समारोह में युगांडा, सूडान, साउथ अफ्रिका, श्रीलंका, यमन, तंजानिया, केन्या,जिम्बाब्वे, नाइजीरिया, नेपाल सहित कई अफ्रीकी देशों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिन्होंने एलएनसीटी विश्वविद्यालय से पैरामेडिकल, बीसीए,फार्मेसी, इंजीनियरिंग और मास कम्युनिकेशन जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों में सफलता हासिल की। इस अवसर पर इंटरनेशनल एड्मिशन सेल के प्रभारी दमन प्रीत सिंह एवं कमल दीप के साथ विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों ने छात्रों को संबोधित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि डिग्री केवल एक उपाधि नहीं, बल्कि जीवनभर की जिम्मेदारी है, जो न केवल स्वयं की प्रगति की है, बल्कि समाज और वैश्विक मानवता के प्रति भी है। उन्होंने विदेशी विद्यार्थियों के साहस और समर्पण की सराहना की, जिन्होंने नई संस्कृति और वातावरण में शिक्षा ग्रहण करने का साहसी निर्णय लिया।विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ नरेंद्र कुमार थापक ने कहा कि का युग ज्ञान, संसाधन और डेटा के वैश्विक आदान-प्रदान का है, और हर राष्ट्र के पास कुछ ऐसा है जिसे वह साझा कर सकता है। एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ अनुपम चौकसे ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल अकादमिक सफलता का उत्सव था, बल्कि एलएनसीटी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक समावेशिता और वैश्विक एकता के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

शिवलिंग के इन 7 स्थानों पर जरूर लगाएं चंदन, मिलेगी भोलेनाथ की कृपा

भोलेनाथ की पूजन का सावन में विशेष महत्व माना गया है। आज हम आपको शिवलिंग के 7 स्थान बताते हैं जहां चंदन लगाने से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। सावन के महीने में शिवलिंग की पूजन का विशेष महत्व माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति विधि विधान से शिवलिंग की पूजन कर भोलेनाथ को दूध, शहद, दही, धतूरा, बेलपत्र जैसी चीज चढ़ाता है, वह उसे सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। भोलेनाथ को पूजन करते समय विशेष तौर पर चंदन भी लगाया जाता है। चंदन का लेप भोलेनाथ को ठंडक पहुंचाने के उद्देश्य से लगाया जाता है। सावन के महीने में शिवलिंग के साथ जगह पर अगर चंदन लगा लिया जाए तो भोलेनाथ अपने भक्तों की सारी मनोकामना पूरी कर देते हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक शिवलिंग के सात स्थानों पर चंदन लगाने की प्रथा बहुत पुरानी है। दरअसल ये स्थान शिव परिवार के अलग-अलग सदस्यों को समर्पित है। इन स्थानों पर नंदी जी, गणेश जी कार्तिकेय जी और अशोक सुंदरी का स्थान है। चलिए हम आपको इनके बारे में बताते हैं।

इन 5 राशियों पर बरसती है गणपति बाप्पा की खास कृपा, करियर और कारोबार में बनते हैं चमकते सितारे

इन स्थानों पर लगाएं चंदन

शिवलिंग: शिवलिंग को भगवान शिव के रूप में पूजा जाता है। सबसे पहले शिवलिंग के ऊपर चंदन का लेप लगाए इससे भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं।

जलाधारी: जलाधारी पर माता पार्वती का स्थान माना गया है। यहां चंदन लगता है उसे भोलेनाथ के साथ माता पार्वती की कृपा भी प्राप्त होती है।

जलाधारी के दाईं ओर: शिवलिंग के जलाधारी की दाईं तरफ ऊपर का स्थान गणेश जी का माना गया है। इस स्थान पर चंदन जरूर लगाएं इससे आपको शुभ परिणाम मिलेंगे।

कार्तिकेय जी: गणेश जी की तरह जलाधारी के बाएं तरफ ऊपर का स्थान कार्तिकेय जी का है। इस स्थान पर चंदन लगाने से व्यक्ति को साहस और बुद्धि की प्राप्ति होती है।

अशोक सुंदरी: अशोक सुंदरी को भोलेनाथ की पुत्री के तौर पर पहचाना जाता है। जलाधारी से बहने वाले जल के रास्ते पर उनका स्थान माना गया है। अशोक सुंदरी पर लगाया गया चंदन सुख समृद्धि देता है।

नंदी के सींग: भोलेनाथ को अपने नंदी से कितना प्रेम है यह तो हम सभी जानते हैं। नंदी के दोनों सिंगों पर चंदन लगाने का विशेष महत्व माना गया है। ऐसा करने से विपत्तियों का नाश हो जाता है।

शिवलिंग के पीछे: शिवलिंग के पीछे चंदन लगाने का विशेष महत्व माना गया है। एक महत्वपूर्ण स्थान है जहां अगर चंदन लगाया जाता है तो भोलेनाथ सुख समृद्धि और मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद देते हैं।

ऐबू यूनियन ने बीएचईएल की जमीन पर प्लॉट आवंटन हेतु मंत्री कृष्णा गौर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। बी एच ई एल की प्रतिनिधि यूनियन ऑल इंडिया बीएचईएल एम्पलाईज यूनियन द्वारा युद्धस्तर पर चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान को पूरा कर हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन गोविंदपुरा विधायक एवं मंत्री कृष्णा गौर को सौंपा एवं मांग की गई है कि केंद्र एवं राज्य सरकार के बीएचईएल की जमीन पर आ रहे प्रोजेक्ट में बीएचईएल के कर्मचारियों के लिए प्राथमिकता से जमीन आवंटन कर प्लॉट दिलवाए जाए। इस मांग को मंत्री कृष्णा गौर द्वारा उचित ठहराते हुए कहा कि कर्मचारियों की ये मांग जायज है पहला हक बीएचईएल के सभी कर्मचारियों का है ऐबू यूनियन के हस्ताक्षर अभियान में लगभग 3800 अधिकारियों, सुपरवाइजरों एवं कर्मचारियों के हस्ताक्षर हुए है जो कि इस मांग की गंभीरता को दर्शाता है। कृष्णा गौर द्वारा कहा गया है कि इस मांग के लिए मुझे जो भी आवश्यक कार्यवाही करनी होगी एवं ऐबू यूनियन को जिस भी तरह के सहयोग की आवश्यकता होगी मै हमेशा उपस्थित रहूंगी एवं पूरा सहयोग करूंगी, उन्होंने कहा है कि जल्द ही मै भारी उद्योग मंत्रालय में समय लेकर आपकी मांग को आपके साथ उद्योग मंत्रालय तक पहुंचाऊंगी। साथ ही साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी इस विषय पर चर्चा कर इसका कैसे समाधान निकले और सभी कर्मचारियों को प्लॉट मिल सके।

रविदासया समाज के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन प्रदेश संयोजक राधा कृष्ण दास महाराज ने किया

माधो सिंह अहिरवार का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

भोपाल। प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन हुआ एवं मध्य प्रदेश रविदासया समाज का गौरव माधो सिंह अहिरवार का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। प्रदेश कार्यालय भोपाल में जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन प्रदेश संयोजक राधा कृष्ण दास महाराज एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अतर सिंह भारती प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रताप जाटव वरिष्ठ समाजसेवी आर बी भास्कर सी एल दोहर रमेश चंद्र बकोरिया जांगड़ा महासभा पूर्व प्रदेशराय महासचिव जिला भोपालअध्यक्ष पूरन सिंह परिहार जी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राकेश अहिरवार

सुरेंद्र जूठे अनिल बामनिया इंजीनियर दिनेश अहिरवार पूर्व सरपंच छोटेलाल अहिरवार करण सिंह बाबूलाल सुनगिरी मुकेश चौधरी डॉ राजन चतर सिंह मेहरबान सिंह ट्यूटोरिया पूर्व जिला प्रभारी बसपा जितेन मकवाना जिला प्रभारी मुकेश गुर्जर गोकुल बोथजी मुकेश अहिरवार ठेकेदार सिलोरिया गणेश अहिरवार देसम संगठन के अध्यक्ष रामस्वरूप निवार एवं महासचिव सेवंथ राज बोरील मनोज दिवाकर के साथ सैकड़ो सामाजिक एवं संगठन के पदाधिकारी माता बहने बच्चे बुजुर्ग सभी ने आशीर्वाद दिया

नारायण शैक्षणिक संस्थान ने नारायण शैक्षणिक योग्यता परीक्षा -2025 का 20वां संस्करण शुरू

भोपाल। नारायण शैक्षणिक संस्थान ने नारायण शैक्षणिक योग्यता परीक्षा - 2025 का 20वां संस्करण शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश नारायण आईआईटी-जेईई/नीट/फाउंडेशन अकादमी के डीजीएम श्री सलाम सर ने बताया कि ह्यूस्ज्ञ एक बहुप्रतीक्षित वार्षिक शैक्षणिक योग्यता परीक्षा है, जो कक्षा 5 से 11 (विज्ञान) तक के छात्रों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। इसमें उत्कृष्टता के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक का नकद पुरस्कार दिया जाता है। योग्य उम्मीदवार अपनी शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए 100त्न वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से आयोजित की जाएगी। ऑफलाइन परीक्षा 5 और 12 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी, जबकि ऑनलाइन परीक्षा के लिए छात्र 19 और 20 अक्टूबर को परीक्षा दे सकते हैं। ह्यूस्ज्ञ 2025 देश भर के 300 से अधिक शहरों के 5000 से अधिक स्कूलों के छात्रों तक पहुँचेगा। यह परीक्षा विज्ञान, गणित और बौद्धिक क्षमता जैसे विषयों पर आधारित होगी, जिसमें चिंतन कौशल को प्रोत्साहित करने वाले प्रश्न होंगे। चार दशकों से अधिक की विरासत के साथ, नारायण शैक्षणिक संस्थान लगातार नए मानक स्थापित करके शैक्षणिक उत्कृष्टता के स्तर को ऊँचा उठा रहे हैं। अपने विश्वास आपके सपने हमारे सपने हैं÷ के अनुरूप, नारायण शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता की खोज में छात्रों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भगवान झूलेलाल चालीहा महोत्सव का शुभारंभ पूजा अर्चना के बाद जमकर झूमे श्रद्धालु

40 दिनों तक प्रतिदिन होगा धार्मिक आयोजन, उपवास रखकर सुख शांति की होगी कामना

संत हिरदाराम नगर। सिंधी समाज के इष्टदेवता भगवान झूलेलाल का सबसे बड़ा महोत्सव चालीहा साहब का शुभारंभ बुधवार को बड़े धूमधाम के साथ किया गया। जगह-जगह झूलेलाल मंदिरों पर बहिराणा साहब के साथ पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रमों में मुख्य रूप से विधायक भगवानदास सबनानी उपस्थित रहे। 40 दिनों तक सिंधी समाज बहिराणा साहब के साथ जल और ज्योति की पूजा कर देश की खुशहाली व उन्नति की कामना की जाएगी। समाज के लोग 40 दिन उपवास रखकर मंदिरो में आयोलाल झूलेलाल के जयकारों के बीच आरती, भजन का आयोजन किया जाएगा।

उपनगर के वार्ड नम्बर 4 स्थित एच वार्ड क्षेत्र में प्राचीन झूलेलाल मंदिर में पूज्य झूलेलाल चालीहा साहब उत्सव समिति के तत्वाधान में महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में सांई लख्मीगिरी साहिब एवं सांई बंटी गिरी साहिब के सानिध्य में पूज्य बहिराणा साहिब

की ज्योत प्रज्जवलित की गई। इस अवसर पर पूज्य बहिराणा साहिब, आरती, पल्लव, अखो, छेज के बाद प्रसादी वितरण किया गया। उसके उपरांत पूज्य बहिराणा साहिब की ज्योति शीतलदास की बगिया, कमला पार्क पर देश की एकता, अखंडता, भाईचारे व देश की खुशहाली की कामना के साथ विसर्जन की गई। यह कार्यक्रम लगातार 40 दिन तक चलता रहेगा। इधर, न्यू बी 10 स्थित मंदिर पर झूलेलाल चालीहा साहब मंदिर समिति के तत्वाधान में भी महोत्सव का शुभारंभ धूमधाम के साथ किया गया। बस स्टैंड प्राचीन झूलेलाल मंदिर, पानी की टंकी के पास स्थित झूलेलाल मंदिर पर भी कई धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संत दादा वासवानी की पुण्यतिथि पर साधु वासवानी मिशन में तीन दिवसीय भक्ति और सेवा के कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। साधु वासवानी मिशन में संत दादा जे. पी. वासवानी की सातवीं पुण्यतिथि के पावन उपलक्ष्य में तीन दिवसीय भावपूर्ण श्रद्धांजली कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु एकत्रित हुए और प्रेम, क्षमा तथा सेवा के अमर संदेश देने वाले इस दिव्य आत्मा को भावपूर्वक नमन किया। पहले दिन सत्संग के साथ कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। मिशन की प्रमुख दीदी कृष्णाकुमारी ने सुजाग थयो अर्थात जागो, चेतन बनो इन दो सिंधी शब्दों में दादा का अनंत संदेश सभी श्रद्धालुओं के हृदयों में जागृत किया। दूसरे दिन प्रभात फेरी निकाली गई। सजे हुए रथ पर दादा की भव्य तस्वीर थी, जो भजनों और कीर्तन के साथ निकाली गई। प्रसिद्ध गायिका दृशिका ने भावुक होकर कहा ÷दादा चले गए, पर अब वे और भी करीब लगते हैं जैसे उनकी कृपा की अनुभूति अब हर पल मेरे भीतर गहराती जा रही है।÷ दिनभर सत्संग, भजन-कीर्तन और दादा व साधु वासवानी के दिव्य प्रवचनों की गूंज मिशन परिसर में छाई रही। वहीं अंतिम और तीसरे दिन हवन, भजनों और कीर्तन के साथ पवित्र कार्यक्रम आरंभ हुआ। इसके बाद दीदी कृष्णाकुमारी का उद्बोधन हुआ। उन्होंने कहा कि ÷दादा आज भी मुझे विस्मित करते हैं। उनके जीवन की प्रत्येक क्रिया यह सिखाती है कि शब्द नहीं, बल्कि कर्म बोलते हैं।

बिजली चोरी के सूचनादाताओं को पारितोषिक की 5 फीसदी राशि का तुरंत भुगतान

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी बिजली चोरी की रोकथाम के लिए पारितोषिक योजना चला रही है। योजना में बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। संशोधित प्रावधानानुसार पांच प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर कर दिया जाता है। अंतिम निर्धारण आदेश के बाद शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली के बाद दी जा रही है। योजना में एक अप्रैल से अब तक 5 सफल सूचनादाताओं को 11 हजार 500 रुपये सीधे उनके बैंक खाते में जमा कराए गए हैं।

स्पेन के निवेशकों को मध्यप्रदेश में देंगे वर्ल्ड क्लास सुविधाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मैड्रिड में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट में संबोधन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत और स्पेन दो प्राचीन सभ्यताओं के संवाहक हैं। दोनों देशों ने नैतिक मूल्यों के आधार पर अपनी पुरा संस्कृति को आगे बढ़ाया है। दोनों देश जुड़वा भाईयों की तरह हैं। अब विकास के मामले में भी हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। संस्कृति के साथ-साथ तकनीक में भी स्पेन की एक अलग ही पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को स्पेन की राजधानी मैड्रिड में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को संबो?धित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत का सबसे तेजी से विकासशील प्रदेश है। यहां निवेश करना निःसंदेह फायदे का सौदा है। उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश की बेजोड़ खूबियां बताते हुए कहा कि यदि आप भारत में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो एक बार मध्यप्रदेश अवश्य आइये, मध्यप्रदेश को भूल नहीं पाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खनिज, पर्यटन, बड़े उद्योग, फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री, तकनीकी विकास से जुड़े उद्योग स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। भारत में एमपी टूरिज्म सबसे तेजी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर भू-संपदा उपलब्ध है, जिसमें नई तकनीक का इस्तेमाल करने से विकास की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, भारत के मध्य क्षेत्र में स्थित है, इसलिए हम लॉजिस्टिक सेक्टर में अग्रणी बनने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अगर आप भारत के किसी और राज्य में भी उद्योग स्थापित करते हैं, तब भी आपको मध्यप्रदेश की आवश्यकता जरूर पड़ेगी। मध्यप्रदेश आंतरिक सड़कों, नेशनल हाईवेज, रेल और हवाई मार्ग से देश-विदेश से जुड़ा है। मध्यप्रदेश सभी सेक्टर्स में तेजी से आगे बढ़ने वाला भारत का राज्य बना है। हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री और टेक्सटाईल सेक्टर में बड़ी संभावनाएं हैं। हम सभी सेक्टर्स में यहां आने वाले निवेशकों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं देने की क्षमता रखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आग्रह किया कि सुरक्षित निवेश के लिए आप बेहिचक मध्यप्रदेश से जुड़िए। हमारी 18 प्रकार की हाईटेक औद्योगिक नीतियों का लाभ लें। मध्यप्रदेश निवेशकों को केपिटल रिटर्न देने में पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश की विकासशीलता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भी प्रभावित किया है। मध्यप्रदेश में निवेश करने पर भारत सरकार की ओर से भी देशी-विदेशी निवेशकों को कई तरह की रियायतें दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेजेस की संख्या भी तेजी से बढ़ाई जा रही है और नई मेडिकल डिवाईसेस के लिए देशी और विदेशी कंपनियां यहां निवेश कर रही हैं। अब मध्यप्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेन की शांतिप्रियता, सामुदायिक विकास, तकनीक के इस्तेमाल और फुटबॉल प्रेम ने भी यहां की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत किया है।

नप्र में हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस और एडवेंचर टूरिज्म में निवेश के अवसरः शुक्ला

मध्यप्रदेश, इतिहास और विरासत की भूमि है। भारत में स्थित यूनेस्को की 62 विश्व धरोहर है जिसमें से 18 मध्यप्रदेश में है। संस्कृति और आध्यात्म की दृष्टि से मध्यप्रदेश अत्यंत समृद्ध है। प्रदेश में 2 ज्योतिर्लिंग के साथ विश्व की प्राचीनतम नदियों में से एक और प्रदेश में पूजनीय नदी माँ नर्मदा बहती है। आज के तनाव भरे जीवन में मां नर्मदा के किनारे स्थित सभी स्थल आपको अध्यात्म और सकारात्मक ऊर्जा से भर देते हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन नीति 2025 की विशेषता बताते हुए प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में निवेशकों के लिए प्रदेश में अपार संभावनाएं है।

अपार संभावनाओं का भरोसेमंद स्थल मध्यप्रदेशः सिंह

औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि म.प्र. अपार संभावनाओं का भरोसेमंद निवेश स्थल है। प्रदेश का भौगोलिक विस्तार, संसाधनों की उपलब्धता, कुशल मानव संसाधन और स्थिर नेतृत्व इसे उद्योगों के लिए सबसे उपयुक्त गंतव्य बनाते हैं। स्पेन और भारत के बीच व्यापारिक संबंध लगातार सुदृढ़ हो रहे हैं। वर्ष 2024 में भारत से स्पेन को 5.93 बिलियन यूरो का निर्यात हुआ, जिसमें मध्यप्रदेश का योगदान 58.5 मिलियन यूरो का रहा। यह हमारी निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार की मांग के प्रति तत्परता को दर्शाता है। विशेष रूप से ऑर्गेनिक केमिकल्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी और वस्त्र जैसे क्षेत्र इसमें अग्रणी हैं।

मैड्रिड में निवेशकों संग वन-टू-वन चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ स्पेन के निवेशकों के साथ हुई वन-टू-वन बैठक में मध्यप्रदेश की सरल औद्योगिक नीतियों से निवेश की संभावनाएं बढ़ी है। अनेक निवेशकों ने प्रदेश में निवेश का मन भी बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के पहले दिन मैड्रिड में निवेशकों के साथ बैठकें आयोजित हुई, जिनमें मध्यप्रदेश में निवेश की अपार संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इन बैठकों में राज्य के औद्योगिक विकास, अधोसंरचना, पर्यटन, ऊर्जा और अन्य उभरते क्षेत्रों में साझेदारी को लेकर विशेष रुचि दिखाई गई। नेचर बायो फूड्स (एलटी फूड्स लिमिटेड की सहायक इकाई) के सीईओ ने मध्यप्रदेश में 200 करोड़ रूपये के संभावित निवेश के साथ जैविक खाद्य और मूल्यवर्धित उत्पाद इकाई की स्थापना की संभावनाओं पर चर्चा की। यह निवेश किसान भागीदारी, रोजगार सृजन एवं निर्यातोन्मुख उत्पादन को प्रोत्साहित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सैंटेंडर समूह के सीनियर एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट डेवलपमेंट) जोसे लुइस दे मोरा गिल-गालाडॉ ने सौजन्य भेंट की। सैंटेंडर समूह की भारत में प्रत्यक्ष उपस्थिति नहीं होने के बावजूद, यह भारत से जुड़े वित्त-पोषण, व्यापार सेवाओं और परियोजनाओं में भागीदारी करता रहा है। बैठक के दौरान आधारभूत संरचना परियोजनाओं के वित्त पोषण, व्यापार एवं निवेश प्रवाह को सशक्त बनाने तथा नवाचार आधारित वित्तीय समाधान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के साथ संभावित सहयोग पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एयरो जॉयरोकॉप्टर स्पेन एस.ए. के सीईओ एवं पार्टनर मनीष जैन ने मुलाकात कर अल्ट्रालाइट जॉयरोकॉप्टर की श्रृंखला डायमंड फ्लाई को लेकर राज्य में संभावित निवेश पर चर्चा की। यह प्रणाली रक्षा, आपातकालीन सेवाएं, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स एवं कृषि जैसे क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। उन्होंने संभावित लोकेशन, राज्य सरकार की सब्सिडी, कर लाभ एवं विमानन अवसंरचना पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सेंटर फॉर एंटरटेनमेंट आर्ट्स के सह-संस्थापक एवं सह-प्रमुख श्री दिवाकर गांधी ने राज्य में वैश्विक एवीजीसी स्किलिंग कंपनी की स्थापना के लिये चर्चा की। बैठक में एमपी एवीजीसी नीति के अंतर्गत मिलने वाले प्रोत्साहनों, कौशल विकास, युवा रोजगार और डिजिटल मीडिया उद्योग को सशक्त करने के लिये भी संभावित सहयोग के विषय पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। ग्रुप के सीएफओ श्री फेहमी ने भी निवेश संबंधी चर्चा की। इन बैठकों ने मध्यप्रदेश में विविध क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रस्तुत किया है, जिससे राज्य की आर्थिक प्रगति और रोजगार निर्माण को नई गति मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से कहा कि वे एक बार मध्यप्रदेश का भ्रमण जरूर करें, उन्हें निवेश के बेहतर अवसर मिलेंगे।

मध्यप्रदेश और स्पेन के बीच फिल्म को-प्रोडक्शन को बढ़ावा देने हुआ एमओयू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पेन यात्रा के पहले दिन मैड्रिड में फिल्म आयोग के अध्यक्ष श्री जुआन-मैनुअल गइमेरेन्स एवं अन्य प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भारत और स्पेन के बीच फिल्म निर्माण के क्षेत्र में सहयोग की अपार संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में दोनों देशों को रचनात्मक और व्यावसायिक रूप से लाभ पहुँचाने वाले फिल्म को-प्रोडक्शन के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा के साथ फ़िल्म सह निर्माण को बढ़ावा देने एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता स्पेनिश फिल्म निर्माताओं को मध्यप्रदेश में शूटिंग स्थानों की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पेनिश प्रोडक्शन कंपनियों को मध्यप्रदेश में फिल्मांकन के लिए आमंत्रित किया और राज्य की विविधता, सरकारी सहयोग और अनुकूल माहौल का प्रमुखता से उल्लेख किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिल्म आयोग के अध्यक्ष श्री जुआन-मैनुअल गइमेरेन्स को सम्मानित भी किया। बैठक में स्पेन फिल्म आयोग ने स्पेन में विदेशी फिल्म प्रोडक्शंस के लिए उपलब्ध विभिन्न इंसेंटिव्स, सब्सिडी और सहूलियतों की जानकारी साझा की, जिससे भविष्य के सहयोग को प्रभावी स्वरूप दिया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की विविध और दर्शनीय लोकेशन्स और राज्य की फिल्म-फ्रेंडली नीति को विस्तार से प्रस्तुत किया, जो अंतर्राष्ट्रीय प्रोडक्शंस के

टेक्सटाइल सेक्टर में वैश्विक निवेश आकर्षित करने पर होगा फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा का दूसरा दिन मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर और स्पेन के विश्वस्तरीय फैशन और वस्त्र उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिये समर्पित रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान मध्यप्रदेश की नीतियों, कपड़ा और वस्त्र निर्माण क्षेत्र में संभावित निवेश, पीएम मित्र पार्क आदि विषयों पर निवेशकों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव टेक्सटाइल सेक्टर में स्थायी निवेश को आकर्षित करने और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विषय पर ला-कोरुना में अपने विचार रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्पेन यात्रा के दूसरे दिन 17 जुलाई को प्रात- मेड्रिड से ला कोरुना पहुँचेंगे। ला-कोरुना में इन्डिटेक्स कम्पनी मुख्यालय का भ्रमण और कंपनी प्रतिनिधियों के साथ बैठकें करेंगे। यूरोपीय ब्रांड्स के लिये मध्यप्रदेश को एक उत्पादन केन्द्र के रूप में बढ़ावा देने पर चर्चा की जाएगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ला कोरुना सिटी का भ्रमण भी करेंगे। ला-कोरुना में स्थानीय सरकार और चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों से भेंट, टेक्सटाईल कंपनियों की साइट विजिट प्रस्तावित है।

मैड्रिड के प्रसिद्ध प्राडो म्यूजियम का किया भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को अपने स्पेन दौरे के पहले दिन मैड्रिड स्थित विश्व के सबसे प्रतिष्ठित कला संग्रहालयों में से एक प्राडो म्यूजियम का भ्रमण किया। उन्होंने संग्रहालय के भव्य संग्रह और इसकी सांस्कृतिक महत्ता की सराहना की और स्पेन तथा भारत को संस्कृतियों को सहेजने वाला राष्ट्र बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राडो म्यूजियम सिर्फ कला प्रेमियों के लिए एक गंतव्य नहीं है, बल्कि यह शिक्षा,कला के संरक्षण और वैश्विक सांस्कृतिक संवाद का एक सशक्त मंच भी है। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय स्पेन की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और उसकी ऐतिहासिक कला परंपरा का जीता-जागता प्रतीक है। मैड्रिड में 1819 में स्थापित यह ऐतिहासिक संग्रहालय यूरोपीय कला के विशाल संग्रह के लिए जाना जाता है, जिसमें 12वीं शताब्दी से लेकर 20वीं शताब्दी की शुरुआत तक की उत्कृष्ट कृतियाँ शामिल हैं।

सर्पदंश से बचाव एवं उपचार की जागरूकता के लिये दक्षिण पन्ना वन विभाग की अनूठी पहल

भोपाल। वन विभाग ने वर्ल्ड स्नेक-डे पर सर्पदंश से होने वाली जनहानि को रोकने और ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दक्षिण पन्ना वन मण्डल द्वारा दो अभिनव पहल की शुरूआत की गयी। पारम्परिक लोक संस्कृति और रचनात्मक शैक्षणिक संसाधनों के समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इनमें आल्हा गायन'' और साँप सीढ़ी'' खेल के माध्यम से सर्पदंश से बचाव एवं उपचार के लिये जागरूक किया जा रहा है। इन दोनों पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय, विशेषकर बच्चों और युवाओं को सर्पदंश के प्रति सचेत करना, अंधविश्वासों से दूर रखते हुए वैज्ञानिक प्राथमिक उपचार की समझ बढ़ाना है। यह प्रयास जन-भागीदारी से जन-जीवन की सुरक्षा के लिये एक प्रभावशाली और प्रेरणादायक कदम है। वन विभाग पन्ना द्वारा बुंदेलखण्ड की प्रसिद्ध वीरगाथा शैली ÷आल्हा'' के माध्यम से एक विशेष लोकगीत की रचना एवं प्रस्तुति करवायी गयी। इसमें सर्पदंश के लक्षणों, सावधानियों एवं प्राथमिक उपचार की जानकारी सरल बुंदेली भाषा में दी गयी। ऑडियो गीत ग्राम वन समितियों, स्कूलों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी व्यापक रूप से प्रसारित किया जायेगा। क्षेत्रीय लोक संस्कृति के माध्यम से समाज में गहरी और स्थायी जागरूकता आयेगी। ऑडियो गीत के रचनाकार डॉ. सुरेश श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा तैयार किया गया है। सर्पदंश से बचाव और उपचार की जानकारी को रोचक और प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिये दो विशेष ÷साँप सीढ़ी'' खेल विकसित किये गये हैं। इन खेलों में ÷क्या करें और क्या न करें'' के संदेश को सीढ़ियों और साँपों के माध्यम से प्रतीकात्मक चित्रों में दर्शाया गया है। इस खेल में कोबरा, करैत और रसेल वाइपर जैसे घातक सर्पों के आकर्षक कार्टून चित्र शामिल हैं, जो मध्यप्रदेश में सर्पदंश से होने वाली अधिकांश मौतों के लिये जिम्मेदार हैं। साथ ही गोंड कला के पारम्परिक मोटिफ भी इन खेलों में समाहित किये गये हैं, जिससे यह स्थानीय संस्कृति से जुड़ते हैं। वर्ल्ड स्नेक-डे के अवसर पर वन मण्डल के चयनित विद्यालयों में ÷साँप सीढ़ी'' का वितरण किया जायेगा, जिससे यह संदेश प्रभावी रूप से पहुँच सके।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024पुरस्कार समारोह, मध्यप्रदेश के 8 शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगा सम्मान

भोपाल। नई दिल्ली में गुरुवार 17 जुलाई को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य एवं केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर एवं केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री राज्य मंत्री श्री तोखन साहू की उपस्थिति में प्रात- 11 बजे विज्ञान भवन में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में मध्यप्रदेश के आठ शहरों इन्दौर, उज्जैन, बुदनी, भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर एवं ग्वालियर को उनके उत्कृष्ट स्वच्छता प्रयासों के लिए विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के विजेता शहरों के गौरवशाली पलों के साक्षी बनने के लिये नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी उपस्थित रहेंगी। प्रदेश के इन 8 शहरों ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। यह सम्मान उनके सतत प्रयासों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अंतर्गत केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरों के अथक प्रयासों को मान्यता देते हुए शहरी भारत के सबसे स्वच्छ शहरों को पुरस्कृत किया जाएगा। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024, जो कि भारत में शहरी स्वच्छता के आंकलन का विश्व का सबसे बड़ा सर्वेक्षण है। यह सर्वेक्षण इस वर्ष अपने 9वें संस्करण में प्रवेश कर चुका है। इस वर्ष सुपर स्वच्छ लीग शहर, पाँच जनसंख्या श्रेणियों में शीर्ष, स्वच्छ शहर, विशेष श्रेणी -गंगा शहर, छावनी बोर्ड, सफाई मित्र सुरक्षा, महाकुंभ, राज्य स्तरीय पुरस्कार आदि श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रदेश के इन्दौर, उज्जैन एवं बुदनी को सुपर स्वच्छ लीग श्रेणी, भोपाल, देवास और शाहगंज को राष्ट्रपति पुरस्कार, जबलपुर को विशेष श्रेणी एवं ग्वालियर को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष का सर्वेक्षण रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल की थीम पर आधारित था। इसमें शहरी स्वच्छता और सेवा स्तर का आंकलन करने के लिए एक सजग, संरचित दृष्टिकोण अपनाया गया है जिसमें 54 संकेतकों सहित 10 सुपरिभाषित मापदंडों पर शहरों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के आधार पर लगभग 3 हजार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा 45 दिनों तक देशभर के लगभग 4 हजार 500 से अधिक शहरों के प्रत्येक वार्ड का गहन निरीक्षण किया गया।

योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं कामन सर्विस सेंटर: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक लाभ दिलाने में कामन सर्विस सेंटर की भूमिका महत्वपूर्ण है। सीएससी द्वारा हितग्राहियों से समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति कराकर उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र बनाया जाता है। उन्होंने कामन सर्विस सेंटर के ग्रामीण क्षेत्र के इन्टरप्रेन्योर को अपनी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वह जनकल्याण के कार्य में सतत क्रियाशील रहें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम रीवा में कॉमन सर्विस सेंटर के 16वें स्थापना दिवस पर आयोजित संभाग स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं जिनका आगे आकर लाभ लेना चाहिए। लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है जिसके माध्यम से प्रदेश की बहुत बड़ी आबादी आर्थिक तौर पर सशक्त हुई है। विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और सीएससी के प्रभारी उपस्थित रहे।

चिकित्सक और स्टाफ नियत समय तक स्वास्थ्य केन्द्रों में रहें : शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए कहा है कि प्रतिदिवस ओपीडी की संख्या कम से कम 50 हो तथा सभी चिकित्सक व स्टाफ नियत समय तक अनिवार्यत- स्वास्थ्य केन्द्रों में उपस्थित रहें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा स्थित निवास में विधानसभा रीवा क्षेत्र अन्तर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में बैठक ली। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों में ब्लड कलेक्शन करते हुए टेली मेडिसिन की भी सेवाएँ मरीजों को उपलब्ध कराई जाये। ओपीडी बढ़ाने तथा टेली मेडिसिन की सुविधा से ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में ही इलाज मिल सकेगा और जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ कम होगी। उन्होंने मेडिकल आफीसर्स से पूरी तन्मयता से गरीबों की सेवा करने की अपेक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य केन्द्रों में बाउण्ड्री वॉल निर्माण तथा साफ-सफाई के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में चिकित्सक और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चित्रकूट का होगा कायाकल्प, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मिलेंगी विश्व स्तरीय सुविधाएं

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और सावनी हेरिटेज कर्वेशन के बीच हुआ अनुबंध

भोपाल। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और मुंबई की मेसर्स सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन प्राइवेट लिमिटेड के बीच बुधवार को एक महत्वपूर्ण अनुबंध हुआ। इस अनुबंध के माध्यम से जिला सतना में मां मंदाकिनी नदी के तट पर चित्रकूट में विभिन्न विकास कार्य एवं सौंदर्यीकरण के कार्य होंगे, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्व स्तरीय विधाएं उपलब्ध होंगी। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला के मार्गदर्शन और अपर प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी की अध्यक्षता में संयुक?त संचालक श्री प्रशांत सिंह बघेल और मेसर्स सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन प्राइवेट लिमिटेड मुंबई की ओर से श्री जीतेश कुमार ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस प्रोजेक्ट के लिए मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट सुश्री शिल्पा शर्मा और मेसर्स आईपीई ग्लोबल के सीनियर आर्किटेक्ट निल्विन राफेल ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपर प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि चित्रकूट में कलेक्टर की अध्यक्षता में DMC का गठन किया जा चुका है और भविष्य में एक DMO की स्थापना की जाएगी, जो योजना, प्रचार-प्रसार एवं संचालन के कार्यों का उत्तरदायित्व निभाएगी। इस अनुबंध के माध्यम से चित्रकूट में मंदाकिनी तट पर राघव घाट, भरत घाट एवं विश्राम घाट का उन?नयन, सौंदर्यीकरण एवं सात्विक रसोई, प्रवेश द्वार, साईनेज बोर्ड, टायलेट, सुवेनियर शॉप, वीडियो एलईडी वॉल, टाइमलाइन वॉल, स्कल्पचर गार्डन, नियंत्रण कक्ष, प्रोजेक्शन मैपिंग और साइट डेवलपमेंट आदि कार्य होंगे। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की स?वदेश दर्शन 2.0 योजनांतर्गत प्रोजेक्ट के तहत चित्रकूट में आध्यात्मिक घाट अनुभव की स?वीकृति प्राप्त हुई थी। मध?यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा उक्त प्रोजेक्ट के पीपीपी मोड में क्रियान्वयन एवं 9 वर्षों के संचालन एवं रख द्धरखाव हेतु निविदाएं जारी की गई थीं।

किसी भी कार्य की जीएडी निरस्त नहीं की गई

भोपाल। ब्रिज परियोजनाओं का तकनीकी मापदंडों के अनुसार निर्माण सुनिश्चित करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा सतत कार्यवाही की जा रही है। राज्य सरकार ने एक व्यापक दक्षता संवर्द्धन कार्यक्रम निर्धारित किया है, जिसके अंतर्गत राज्य के सभी अभियंताओं को इंडियन रोड कांग्रेस कोड्स और मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाइवेज़ के दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर उनके आधार पर कार्यों का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए हैं। ब्रिज परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण निर्माण, मापदंड अनुसार डिजाइन, सतत सुपरविजन प्रणाली अपनाने एवं निर्माण के दौरान सतत निरीक्षण के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। रेलवे अथवा नगर निगम जैसे विभिन्न स्टेकहोल्डर्स से समन्वय स्थापित करने की प्रक्रिया भी स्पष्ट की गई है। मुख्य अभियंता सेतु परिक्षेत्र पीसी वर्मा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पुराने अलाइनमेंट्स को रद्द नहीं किया गया है अपितु गलती से जारी हुआ एक त्रुटिपूर्ण आदेश उसी दिन निरस्त कर दिया गया।

अपर नर्मदा सिंचाई परियोजना को निरस्त करने राज्यपाल से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

50 ग्राम पंचायत होगी प्रभावित, संरक्षित क्षेत्र को सुरक्षित करने की मांग

अनूपपुर। पिछले कुछ वर्षों से प्रशासन की गलत रिपोर्टिंग और रणनीति के कारण अपर नर्मदा परियोजना शोभापुर अनूपपुर डिंडोरी का निर्माण कार्य इसलिए प्रारंभ नहीं हो पा रहा है क्योंकि इस परियोजना को लेकर क्षेत्र के किसान और रहवासी निरंतर इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनके भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं इस परियोजना के प्रारंभ होने से क्षेत्र का विकास तो नहीं लेकिन विनाश होना सुनिश्चित है जिसकी चिंता की लकीरें हर किसी के माथे पर देखी जा सकती हैं। अपर नर्मदा परियोजना को निरस्त करने की मांग को लेकर भाजपा अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में अपर नर्मदा परियोजना को निरस्त करने हेतु राज्यपाल से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम राजेश सिंह सराठीया विजय सिंह पट्टा भागरथ सिंह स्वामी सोनवानी तथा अन्य लोगों ने मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल से मुलाकात कर अपर नर्मदा परियोजना को निरस्त करने की मांग की जिससे कि जल जंगल जमीन एवं आदिवासियों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके और पलायन की स्थिति निर्मित ना हो। पिछले 25 30 वर्ष पहले अपर नर्मदा परियोजना शोभापुर अनूपपुर डिंडोरी को प्रस्तावित किया गया जिसके बाद से इस परियोजना का निरंतर विरोध हो रहा है और क्षेत्र के लोग भय के वातावरण में जीवन जीने को मजबूर हैं जब चुनाव आता है इस परियोजना को प्रारंभ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है जिससे क्षेत्र वासियों को संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है इस परियोजना के कारण लगभग 50 ग्राम पंचायत प्रभावित हो रही हैं परियोजना का दुष्परिणाम जल जंगल जमीन और आदिवासियों के पलायन के रूप में देखा जा रहा है जो इस क्षेत्र के लिए हितकर नहीं है। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधि मंडल ने महामहिम राज्यपाल से कहा कि गलत सर्वे और रिपोर्ट तथा दबाव में ग्राम पंचायत के प्रस्ताव फर्जी तरीके से तैयार कर कर प्रस्तुत की गई और परियोजना को प्रस्तावित करने का कार्य किया गया जबकि हमारे क्षेत्र में इस परियोजना की कोई आवश्यकता ही नहीं है पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में खरीफ एवं धान की दो फसल का उत्पादन 80 से 90 हजार टन प्रतिवर्ष किया जा रहा है जिसकी खरीदी भी शासन के द्वारा की जाती है फिर भी क्षेत्र को असंचित घोषित करने का कार्य फर्जी तरीके से प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा किया जाता है ऐसी परियोजना के कारण कृषि आधारित हमारे जनजातीय समाज के परिवारों को विस्थापन की स्थिति से गुजरना पड़ता है ऐसे पहले भी हो चुका है।

संपादकीय

समोसे, जलेबी क्या खामोश मौत की तरफ ले जा रहे?

हम भारतीय करीब 7 करोड़ समोसे हर रोज खा जाते हैं। अनुमान यह भी है कि हम 2163 करोड़ समोसे सालाना खाते हैं। एक औसत समोसे में 262 कैलोरी होती है। यदि समोसे का आकार बड़ा हो, तो कैलोरी 400 से भी अधिक हो सकती है। भारत में समोसे का बाजार 25,000 करोड़ रुपए का बताया जाता है। इससे भी बड़ा बाजार 'मोमोज' का है, जो करीब 30,000 करोड़ रुपए का बताया जाता है। यकीन नहीं होता, बल्कि आश्चर्य होता है, लेकिन ये बाजार मौजूद हैं। इतना बड़ा बाजार, लोगों के असीमित खर्च, लेकिन हम एक 'खामोश मौत' की तरफ बढ़ रहे हैं। समोसे, कचौड़ी, पकौड़े जिस तेल में बार-बार तले जाते हैं, वह तेल विषाक्त हो जाता है। मानवीय सेहत के लिए 'जानलेवा' भी साबित होता रहा है। सामान्यतः कचौड़ी में 10 ग्राम, 10 पकौड़ों में 14 ग्राम, एक बर्गर में 31 ग्राम, 4 स्लाइस पिज्जा में 40 ग्राम वसा होती है। हम लगातार यह वसा (फैट) अपने शरीर में जमा करते जा रहे हैं। यदि आप चाहते हैं कि हर रोज 45 मिनट सैर कर लें, तो भी यह वसा एक निश्चित मात्रा में शरीर में रहती है। नतीजतन कैंसर, दिल का दौरा, खराब कोलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप, टाइप टू मधुमेह आदि बीमारियां तो सर्वज्ञात हैं। उनके अलावा, अन्य विसंगतियां हमारे भीतर पल रही हैं, उनकी जानकारी तब सामने आती है, जब मौत हो जाती है। हम भारतीय जलेबी, लड्डू, बर्फी या अन्य मिष्ठान्न का खूब उपभोग करते हैं। हमारे समारोह मीठे से ही संपन्न होते हैं, हमारा नाश्ता भी मिठाई ही है, क्योंकि यह स्वाद हमारे संस्कारों में बसा है। औसतन 100 ग्राम जलेबी में 40 कैलोरी होती हैं। गुलाब जामुन में 32 ग्राम, सॉफ्ट ड्रिंक में 32 ग्राम, चॉकलेट में 25 ग्राम चीनी होती है। हमें एक दिन में अधिकतम 25 ग्राम चीनी का सेवन करना चाहिए। यह सीमा तो हर रोज लांघी जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त निकायों को कहा है कि वे समोसा, कचौड़ी, फ्रेंच फ्राइज, जलेबी, बर्फी और वड़ा पाव समेत अन्य खाद्य सामग्री में तेल और चीनी की मात्रा का उल्लेख करते हुए बोर्ड अपने दफ्तरों और कैंटीन में लगवाएं। सार्वजनिक स्थानों पर भी ऐसे बोर्ड लगाए जाएं, ताकि स्वस्थ जीवन-शैली को बढ़ावा दिया जा सके और मोटापे तथा गैर-संचारी रोगों से निपटा जा सके। गौरतलब यह है कि सरकार समोसे और जलेबी पर किसी भी तरह की पाबंदी थोपने नहीं जा रही है। यह जागृति का अभियान है, जिसके साथ 'चेतावनी' भी जुड़ी है। यह चेतावनी भी सिगरेट और शराब के साथ जुड़ी चेतावनी जैसी ही होगी। सिगरेट और शराब का कारोबार तथा उपभोग 'चेतावनी' के बावजूद कम नहीं हुए हैं।

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी है। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़े अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो।

ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे राजनीतिक दलों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित एवं अशालीन अभिव्यक्ति के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कोई नहीं चाहता कि आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? राजनीतिक दल, धार्मिक नेता या उग्रवादी कार्यकर्ता क्यों समाज में विषवमन करते हुए विवादास्पद एवं वर्ग-धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले कटु एवं कड़वे बयान देते हैं? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संतुलित ढंग से व्यक्त की जाए। आज के दौर में हमें विचार संयम और वाणी संयम को अपनी संस्कृति और लोकतंत्र की आधारशिला बनाना होगा। जैसाकि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि ÷बोलने से पहले तीन बार सोचो, क्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है? क्या यह दूसरों को आहत तो नहीं करेगा?÷ संविधान हमें अधिकार देता है, लेकिन उसके साथ आत्मानुशासन और समाजहित की अपेक्षा भी करता है। यदि हम इसे समझ लें, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक सशक्त और समरस बन सकता है। अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब यह सीमा पार करती है तो देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को खतरा उत्पन्न होता है। सुप्रीम कोर्ट बार-बार यह संदेश दे रहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी और मर्यादा जुड़ी है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का भी मानना था कि ÷यदि आपके शब्द राष्ट्र को प्रेरित करने की बजाय भटकाने लगे, तो वह आजादी नहीं, अराजकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि ÷लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मर्यादा टूटे तो वह विरोध नहीं, विघटनकारी गतिविधि बन जाती है।÷ ऐसी ही विघटनकारी गतिविधियां सोशल मीडिया पर विनाशकारी स्वरूप लेती जा रही है। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल, आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए? बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है? कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो राष्ट्र एवं समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। जाहिर है, उच्छृंखल हुए बिना आजादी के उपयोग में ही नागरिक का भी भला है और समाज का भी।

निर्विवाद मातृभाषा ही श्रेष्ठ

राकेश दुबे

जनाधार खोते दल और राजनेता नई शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हों, लेकिन इस दिशा में किए गए नये प्रयोग आशा की नई किरण भी जगा रहे हैं। यह निर्विवाद सत्य है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में जितनी आसानी और सहजता से सीख सकता है, उतना किसी थोपी गई भाषा में नहीं। तमाम शिक्षाविद् और भाषाविज्ञानी मानते रहे हैं कि दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों व परिवेशगत ज्ञान विद्यार्थियों को जल्दी सीखने में मददगार हो सकता है।

देश में 121 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। वहीं मातृभाषाओं की संख्या सोलह से अधिक है। इतनी अधिक भाषायी विविधता वाले देश में, जब बच्चे अपने आसपास जो देखते और महसूस करते हैं, वो उनकी स्मृतियों में स्थायी बस जाते हैं। जब ये बातें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनती हैं, तो वे इसका आसानी से अंगीकार कर लेते हैं। कई शिक्षा आयोगों ने भी इसी बात की वकालत की है। इसी सोच के चलते देश के विभिन्न भागों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर कई प्रयोग हो रहे हैं। इस रचनात्मक पहल के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिसके निष्कर्ष बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई करने से बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है। इससे साक्षरता की दर में सकारात्मक बदलाव आया है। इतना ही नहीं इससे जहां छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, वहीं उनकी कक्षा में सहभागिता भी बढ़ी है। सही मायनों में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फॉर्मूले का मकसद भी यही रहा है।

विगत के अनुभव बताते हैं कि जब छात्र-छात्राओं को उनकी मातृभाषा से इतर अन्य भाषा में पढ़ाया जाता रहा है तो इसका असर उनकी सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। ऐसे में दूर-दराज के गांव-देहात या आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थी अन्य शहरी बच्चों का मुकाबले करने में असफल हो जाते हैं। जिससे उनके स्कूल छोड़ने के प्रतिशत में भी वृद्धि होती है।

मौजूदा स्थितियों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर किए जा रहे नये प्रयोग नई उम्मीद जगा रहे हैं। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा के 13 जिलों में बच्चों को उनकी राज्यभाषा और अंग्रेजी के साथ-साथ मातृभाषा में पढ़ाने के लिये राज्य सरकारों के साथ मिलकर बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया। इससे न केवल चयनित जिलों में बच्चों की साक्षरता दर में सुधार हुआ, बल्कि उनमें अन्य भाषा को सीखने की अभिरुचि भी बढ़ी है। एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय भाषा, सांस्कृतिक परंपराओं व परंपरागता ज्ञान को शामिल करने के लिये स्थानीय समुदायों की मदद भी ली गई। जिसमें स्थानीय परिवेश में उपजी लोककथाओं, स्थानीय संस्कृति आधारित कहानियां तथा कई पीढ़ियों से हासिल पारंपरिक ज्ञान को भी शामिल किया गया। बच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी रहे, इसके लिये रचनाधर्मिता का सहारा भी लिया गया। जिसमें मौखिक शिक्षा प्रणाली का भी उपयोग किया गया। ऐसी शिक्षण सामग्री तैयार की गई जिससे बच्चे आसानी व रुचि के साथ आसानी से सीख सकें। मसलन कविता पोस्टर, कहानी के पात्रों के चित्र, वार्तालाप दर्शाने वाले चार्ट, शब्द कार्ड, वर्ण मात्रा कार्ड तथा चित्रों के जरिये कहानी बताने वाली किताबें इसमें शामिल की गईं। जिसने छात्रों में शिक्षा के प्रति रुचि जगायी और वे आसानी से सीखने लगे। उदाहरण के लिये छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में जहां पचास फीसदी बच्चे हल्बी बोलते थे, वहां हिंदी में पढ़ाई करने से शिक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ रहे थे। इस क्षेत्र में प्रारंभिक कक्षाओं में हल्बी को हिंदी के साथ जोड़कर पढ़ाया गया। इस शैक्षिक कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के बाद सर्वे में यह सामने आया कि बस्तर में औसतन साक्षरता की दर में इकतीस फीसदी की, संख्या ज्ञान में पच्चीस फीसदी और वर्ण-अक्षर पहचान में छब्बीस फीसदी का सुधार हुआ। इसके अलावा मौखिक पाठन में चौदह फीसदी का सुधार आया। निश्चित रूप से इस अभिनव पहल ने देश को संदेश दिया कि मातृभाषा में शिक्षण से साक्षरता व शिक्षा की गुणवत्ता में आशातीत बदलाव लाया जा सकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की चर्चा में संजय जोशीः पर्दे के पीछे का ताकतवर खिलाड़ी

- राजेश जयंत

भारतीय जनता पार्टी में संगठनात्मक बदलाव की चर्चाओं के बीच संजय जोशी का नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। कभी गुजरात और यूपी जैसे राज्यों में पार्टी को मजबूत करने वाले संजय जोशी लंबे समय से पर्दे के पीछे सक्रिय हैं। मोदी-शाह युग में भले ही उन्हें साइडलाइन कर दिया गया हो, लेकिन जमीनी कार्यकर्ताओं और संघ के कई वरिष्ठ प्रचारकों के बीच उनकी पकड़ आज भी मजबूत है।

संजय जोशी ÷साइलेंट ऑर्गेनाइजर÷ मूल रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे हैं और भाजपा संगठन में उनका सफर तीन दशकों से भी ज्यादा लंबा है। गुजरात में संगठन को खड़ा करने, यूपी में पार्टी को विस्तार देने और जमीनी कार्यकर्ताओं को जोड़ने में उनकी अहम भूमिका रही है। यही वजह है कि भाजपा के मिडिल लेवल नेताओं और पुराने कार्यकर्ताओं में आज भी उनकी लोकप्रियता बनी हुई है।

मोदी से मतभेद के चलते उन्हें 2012 के बाद संगठन से बाहर कर दिया गया, लेकिन उन्होंने कभी खुलकर बगावत नहीं की। इसके बजाय, वे चुपचाप कार्यकर्ताओं से संपर्क बनाए रखते रहे और संगठन के भीतर ÷साइलेंट लॉबी÷ को मजबूत किया। संघ के कुछ वरिष्ठ प्रचारक और पुराने भाजपा नेता आज भी उन्हें ÷मीडिया से दूर, जमीनी नेता÷ मानते हैं, जो पार्टी की रीढ़ माने जाते हैं।

नितिन गडकरी जैसे नेताओं के साथ उनके अच्छे संबंध हैं, जो कभी मोदी की कार्यशैली से असहमत रहे। यूपी, गुजरात और मध्य भारत के कई पुराने कार्यकर्ता भी संजय जोशी के साथ खड़े नजर आते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत है- संगठन में गहरी जड़ें, व्यक्तिगत ईगो से ऊपर रहना, और कार्यकर्ताओं के बीच सीधा संवाद।

संजय जोशी ने कभी खुद को प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं बनाया, बल्कि हमेशा संगठन में रहकर पार्टी को मजबूत किया। यही वजह है कि जब भी भाजपा में संगठनात्मक बदलाव की चर्चा होती है, संघ के कुछ धड़े उनका नाम आगे बढ़ाते हैं।हालांकि, भाजपा अध्यक्ष या संघ प्रमुख बनने का फैसला पूरी तरह शीर्ष नेतृत्व- मोदी, शाह और संघ के टॉप ब्रास की मर्जी पर निर्भर है। फिलहाल उनके नाम को लेकर सिर्फ अटकलें और चर्चाएं हैं, लेकिन पर्दे के पीछे उनकी ताकत और नेटवर्क को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हालिया घटनाक्रम और ताजा बयानः 2024 लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा नेतृत्व में बदलाव की चर्चाओं ने संजय जोशी को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर भाजपा और संघ के बीच लगातार मंथन चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, संघ के कुछ धड़े संजय जोशी को संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका देने की वकालत कर रहे हैं, खासकर जब पार्टी को जमीनी स्तर पर दोबारा मजबूती देने की जरूरत महसूस हो रही है। इसी दौरान दिल्ली, लखनऊ और अहमदाबाद जैसे शहरों में उनके समर्थकों ने पोस्टर लगाए, जिनमें उन्हें ÷संगठन का असली स्तंभ बताया गया।

इस पर संजय जोशी ने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया- नरेंद्र मोदी मेरे और पार्टी के नेता हैं, मैं संगठन की एकता में विश्वास करता हूं। कृपया मेरे नाम पर कोई भ्रम या पोस्टर वार न करें, इससे पार्टी को नुकसान होता है।÷

इसके अलावा, मई 2025 में अपने सोशल मीडिया अपडेट में भी उन्होंने लिखा- पार्टी और कार्यकर्ता ही मेरी असली ताकत हैं। मैं हमेशा संगठन और देशहित में काम करता रहूंगा।

हाल ही में एक निजी बातचीत में जोशी ने कहा- ÷मेरा लक्ष्य पद नहीं, पार्टी को मजबूत करना है। अगर शीर्ष नेतृत्व मुझे कोई जिम्मेदारी देता है तो मैं उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा।÷राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पार्टी के भीतर चल रही खींचतान और जमीनी स्तर पर उत्साह की जरूरत के इस दौर में संजय जोशी जैसे अनुभवी संगठनकर्ता की वापसी पर गंभीरता से विचार हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस -प्रमाणों के आधार पर किसी निर्णय पर पहुंचना ही न्याय

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 17 जुलाई को विश्व स्तर पर न्याय दिवस मनाया जाता है। न्यायशास्त्र, जिसे कानून का दर्शन भी कहा जाता है, कानून की प्रकृति, उसके सिद्धांत, और सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संदर्भों में इसके प्रभाव का अध्ययन है। यह कानूनी प्रणालियों, नियमों, अवधारणाओं और संस्थाओं के विश्लेषण पर केंद्रित है, और यह समझने का प्रयास करता है कि कानून कैसे काम करता है और समाज पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है। न्यायशास्त्र के अध्ययन के कुछ मुख्य पहलू हैं - कानून की प्रकृति - न्यायशास्त्र कानून की परिभाषा, कानूनी प्रणाली की संरचना और कानून के विभिन्न स्त्रोतों जैसे संवैधानिक कानून, सांविधिक कानून और केस कानून का अध्ययन करता है। कानून और न्याय - न्यायशास्त्र कानून और न्याय के बीच संबंध का पता लगाता है। यह कानूनी न्याय, वितरणात्मक न्याय और प्रक्रियात्मक न्याय जैसे विभिन्न प्रकार के न्याय की अवधारणाओं का विश्लेषण करता है। कानून और नैतिकता - न्यायशास्त्र कानून और नैतिकता के बीच संबंध की भी जांच करता है। यह नैतिक सिद्धांतों का विश्लेषण करता है जो कानून को आकार देते हैं और कानूनी निर्णयों को प्रभावित करते हैं। कानून और सामाजिक परिवर्तन - न्यायशास्त्र कानून और सामाजिक परिवर्तन के बीच संबंधों का अध्ययन करता है। यह जांच करता है कि कानून सामाजिक मानदंडों को कैसे प्रभावित करता है और सामाजिक परिवर्तन को कैसे बढ़ावा देता है। कानून और शक्ति - न्यायशास्त्र कानून और शक्ति के बीच संबंध का भी अध्ययन करता है। यह कानून के निर्माण, कार्यान्वयन और प्रवर्तन में शक्ति की भूमिका का विश्लेषण करता है। न्यायशास्त्र कानून के दार्शनिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पहलुओं का एक व्यापक अध्ययन है। यह न केवल कानून को समझने में मदद करता है, बल्कि कानूनी प्रणालियों और समाज पर उनके प्रभाव को भी समझने में मदद करता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि आज पुरे संसार में किसी भी विवादित बात का सही न्याय हो इसके लिए सभी को शारीरिक, मानसिक भावनात्मक स्वास्थ्य की जरुरत है उसके लिए योग प्राणायाम एवं ध्यान ही एक मात्र उपाय है उसमें से ध्यान का अभ्यास अग्नि की तरह है, बुराइयां उसमें जलकर भस्म हो जाती हैं। ध्यान है धर्म और योग की आत्मा। ध्यानियों की कोई मृत्यु नहीं होती। लेकिन ध्यान से जो अलग है बुढ़ापे में उसे वह सारे भय सताते हैं, जो मृत्यु के भय से उपजते हैं। अंत काल में उसे अपना जीवन नष्ट ही जान पड़ता है। इसलिए ध्यान करना जरूरी है। ध्?यान से ही हम अपने मूल स्वरूप या कहें कि स्वयं को प्राप्त कर सकते हैं अर्थात हम कहीं खो गए हैं। स्वयं को ढूंढने के लिए ध्यान ही एक मात्र विकल्प है। दुनिया को ध्यान की जरूरत है चाहे वह किसी भी देश या धर्म का व्यक्ति हो। ध्यान से ही व्यक्ति की मानसिक संवरचना में बदलाव हो सकता है। ध्यान से ही हिंसा और मूढ़ता का खात्मा हो सकता है। ध्यान के अभ्यास से जागरूकता बढ़ती है जागरूकता से हमें हमारी और लोगों की बुद्धिहिनता का पता चलने लगता है। ध्यानी व्यक्ति चुप इसलिए रहता है कि वह लोगों के भीतर झांककर देख लेता है कि इसके भीतर क्या चल रहा है और यह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है। ध्यानी व्यक्ति यंत्रवत जीना छोड़ देता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि मौन कर देता है ध्यान ÷ध्यान बहुत शांति प्रदान करता है। ध्यानस्थ होंगे, तो ज्यादा बात करने और जोर से बोलने का मन ही नहीं करेगा। जिनके भीतर व्यर्थ के विचार हैं वे ज्यादा बात करते हैं। वे प्रवचनकार भी बन जाते हैं। यदि गौर से देखा जाए तो वे जिंदगीभर वही वहीं बातें करते रहते हैं जो अतीत में करते रहे हैं। भटके हुए मन के लोग जिंदगी भर व्यर्थ की बकवास करते रहते हैं जैसे आपने टीवी चैनलों पर बहस होते देखी होगी। समस्याओं का समाधान बहस में नहीं ध्यान में है। लोगों को ध्यान की शिक्षा दी जानी चाहिए।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया योग दर्शन के बारे में कि योग में सिद्धान्त की अपेक्षा अभ्यास पर ज्यादा बल दिया जाता है तथापि दार्शनिक पक्षों का मूलभूत ज्ञान रहने पर साधक यह जान सकेगा कि योग के द्वारा वह किस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सचेष्ट है, ध्यान की अवस्थाएँ कैसे उसे प्राप्त होंगी। यद्यपि योग दर्शन में अन्तर्दृष्टि की बहुत बातें भरी पड़ी हैं परन्तु अन्ततः सबका उद्देश्य है कि साधक किस प्रकार आत्मदर्शन की ओर अग्रसर होता है। अनेक दर्शन विशेषकर पाश्चात्य दर्शन अपने ही शब्दों की भूल-भुलैया में खो जाते हैं। वास्तविकता का एक सुन्दर शब्द-चित्र प्रस्तुत करने के लिए अपनी ही धारणाओं को अपने आस-पास की वस्तु-स्थिति के अनुरूप ढालने की उनकी प्रवृत्ति होती है। दार्शनिक अपने ही शब्दों में इतने लीन हो जाते हैं कि उन्हें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि उनके द्वारा प्रस्तुत की गई तस्वीर सत्य का वास्तविक प्रतिबिम्ब है। वे यह नहीं समझते कि उनकी धारणा एक नमूना मात्र है। मकान का नक्शा मकान नहीं हो सकता। पूर्वी दर्शन में योग, जेन, आदि मत इसकी पुष्टि करते हैं कि साधक अपने ही प्रयासों से सत्य तक पहुँच सकता है। मौखिक या लिखित शब्दों-चित्रों से सत्य का उद्घाटन न तो हुआ है और न होने की सम्भावना दिखती है। योग दर्शन की विचारधारा सब के ऊपर लागू होती है। यह एक व्यावहारिक ज्ञान है। उपयोगी दर्शन की सबसे पहली आवश्यकता है कि उसका सम्बन्ध मानव जीवन से हो। वह यह बता सके कि मानवता को दुःखों और कष्टों से किस प्रकार ऊपर उठाया जा सकता है। महात्मा बुद्ध ने इस आवश्यकता को समझा

था। फलतः ईश्वर की सत्ता से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर देना उन्होंने अस्वीकार किया, इसलिये नहीं कि उन्हें उनका कोई ज्ञान नहीं था, वरन् इसलिये कि मनुष्य जीवन का कोई सम्बन्ध इन प्रश्नों से नहीं था। वे उनका उत्तर %ईश्वर है% या %ईश्वर नहीं है% में दे सकते थे, परन्तु इन दोनों उत्तरों से मानवता को कुछ उपलब्धि नहीं होती। उसके लिए ये उत्तर शब्द मात्र होते।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि योग का उद्देश्य यह भी है कि मनुष्य अपने कष्टों का उन्मूलन करे ताकि उसके सामने आध्यात्मिकता का स्वरूप प्रकट हो और वह अपने को देख सके। मनुष्य के दुःखों एवं कष्टों के कारणों का उल्लेख योग में हैं। वे पाँच प्रकार के होते हैं, जिन्हें पंच-क्लेश कहा जाता है। ये क्लेश जटिल सिद्धान्तों पर नहीं, अपितु मनुष्य के जीवन और कार्यों के अध्ययन पर आधारित है। इन पंच-क्लेशों की अभिधारणा उन ऋषियों ने की जिन्होंने स्वयं इन्हें अनुभव किया और इनका अतिक्रमण कर इनसे मुक्ति पाई, जिसके फलस्वरूप वे चित्र के टुकड़ों की अपेक्षा सम्पूर्ण चित्र का अवलोकन कर सके। हम में से अधिकतर लोग अपने दुःखों में इस तरह लिप्त हैं कि उनके कारणों को पहचान नहीं पाते। इन क्लेशों के कारण हैं - अज्ञान या वास्तविकता की जानकारी न होना, अहंकार - राग या वस्तु के प्रति आकर्षण, द्वेष या वस्तु से विकर्षण, अभिनिवेश - अर्थात् मृत्यु-भय। वास्तव में ये क्लेश अलग-अलग नहीं हैं। एक से दूसरे क्लेश की उत्पत्ति होती है। सत्य या वास्तविकता के प्रति अज्ञान ही इनका मूल कारण है, जिसके फलस्वरूप प्रत्येक व्यक्ति अपने ही विषय में सोचता है। वह अपने अहं से एकात्म होकर अन्य व्यक्तियों और वस्तुओं से अपने को अलग देखने लगता है। वह अपने अहं से प्रेरित होकर इधर-उधर घूमता और कार्यों को करता है। अपने आनन्द और आराम के साधन जुटाने में वह सभी वस्तुओं को किसी-न-किसी रूप में अपना सेवक समझता है। इसी तरह उसके मन में पसन्द-नापसन्द की बात उठती है। वह ऐसे पदार्थों और लोगों की तरफ आकृष्ट होता है जो उसे आनन्द देते हैं, उसके अहं को पोषित करते हैं। जिन चीजों से उसे अप्रसन्नता या असुविधा होती है, वे उसकी घृणा का विषय बन जाती हैं। निश्चय ही सुखद और दुःखद वस्तुओं एवं विषयों के बीच इतनी स्पष्ट विभाजक रेखा नहीं खींची जा सकती है। कुछ विषय अथवा लोग अलग-अलग समय में कभी सुख और कभी दुःख पहुँचा सकते हैं। कुछ विषयों और व्यक्तियों के प्रति वह उदासीन रह सकता है, उसे उनमें न रुचि होगी, न अरुचि।

वासनाएँ अथवा कामनाएँ हमें निरन्तर ऐसे परिवेश की ओर आकृष्ट करती रहतीं हैं जहाँ उनकी तृप्ति हो सके। यदि हम सावधानीपूर्वक अपने समस्त मानसिक और शारीरिक क्रियाकलापों का विश्लेषण करें तो यही निष्कर्ष निकलेगा कि वे किसी-न-किसी रूप में (कभी सूक्ष्म तो कभी स्थूल) हमारी वासनाओं से परिचालित होते हैं। जीवन के प्रत्येक विचार और कार्य के पीछे वासना ही प्रेरक तत्त्व है। वही हमें उद्दीपन प्रदान करती है। मन और शरीर उसी दिशा में गमन करते हैं जिधर व्यक्ति की अन्तर्निहित वासना या कामना को तृप्ति मिलती है।इस तरह वह चेतन शक्ति भी, जो हमारे मन को प्रकाश देती है, इच्छापूर्ति की इस भाग-दौड़ में शामिल होने को विवश हो जाती है। सभी इच्छायें एक साथ पूरी नहीं होतीं, इसलिये उपयुक्त अवसर पाते ही अपने को प्रकट कर देती हैं।

इन इच्छाओं का कारण क्या है? कारण वे क्लेश हैं जिनकी चर्चा हम ऊपर करते आए हैं। अगर क्लेश न हों तो इच्छायें भी न होंगी। वस्तुओं के प्रति आकर्षण, विकर्षण, अहंभाव, जीवन के प्रति आसक्ति और सत्य की अनभिज्ञता ही इच्छाओं को जन्म देते हैं। ये इच्छायें किस प्रकार हमारे ध्यानाभ्यास पर विपरीत प्रभाव डालती हैं? ये सदा हमारे मन को ध्यान के विषय से दूर रखती हैं। ये इच्छायें अपनी तृप्ति के लिए हमारे मन को किसी-न-किसी बाह्य पदार्थ पर टिकाये रखती हैं। फलतः भटकता हुआ मन एकाग्र नहीं हो पाता। एकाग्रता के अभाव में ध्यान भी नहीं लग पाता।

बिना आत्मज्ञान के क्लेशों का निवारण बिल्कुल संभव नहीं। अधिक-से-अधिक हम यही कर सकते हैं कि उन्हें क्रमशः कम करते चलें। यह क्रिया कई विधियों से की जा सकती है। सर्वप्रथम हमें क्लेशों की उत्पत्ति पर विचार करके उन्हें समझना होगा कि वास्तव में ये क्लेश कष्टों के वाहक हैं। भली प्रकार विचार करने पर हम समझ जायेंगे कि ये क्लेश किस प्रकार दुःखों एवं कष्टों का सृजन करते हैं। यद्यपि इस विषय में यहाँ पर कुछ विचार-विमर्श किया गया है तथापि व्यक्तिगत रूप से अनुभव कर लेना अच्छा है। स्वानुभव के बाद व्यक्ति अपनी रुचि-अरुचि तथा अहं को दूर करने के लिए अपने मन का पुनर्सँयोजन कर सकता है। इससे अहं भाव कम होगा और व्यक्ति शाश्वत सत्य और आत्मा से सम्बन्ध स्थापित कर सकेगा। यम और नियम का अभ्यास क्लेशों का निवारण करने में सहायक होगा। कर्मयोग और भक्तियोग भी जीवन के क्लेशों को दूर करने के सफल उपाय हैं।

आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर होने के साथ ही क्लेशों का प्रभाव स्वभावतः कम होने लगता है। पाठक यह कह सकते हैं कि क्लेशों की अनुपस्थिति में जीवन का आनन्द ही समाप्त हो जायेगा; जीवन का कोई अर्थ ही नहीं रह जायेगा। इच्छा और अनिच्छा ही जीवन को विशिष्टता प्रदान करने वाले तत्त्व हैं। उनके अभाव में जीवन सूना हो जायेगा। इन बातों से पता लगता है कि हम जीवन के प्रति कितने आसक्त हैं। जिस जीवन को हम देख रहे हैं वह तो अपने सबसे स्थूल स्वरूप में है। जैसे-जैसे मनुष्य आध्यात्मिक पथ पर प्रगति करता जाता है, वह सत्य के निकट आता जाता है। उसे स्पष्ट रूप से समझ में आने लगता है कि उसको चेतना की वर्तमान स्थिति में जो जीवन अभी दिख रहा है वह शनैः शनैः दिखाई पड़ने वाले सूक्ष्मतर जीवन तत्त्व के सम्मुख कुछ भी नहीं है। दोनों प्रकार के जीवन में बड़ा अन्तर है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

कर्ज वसूली में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त, 46 समिति प्रबंधकों को भेजा नोटिस

सागर। जिले में सहकारी समितियों की ओर से कर्ज वसूली में लापरवाही को लेकर सागर कलेक्टर संदीप जी आर ने सख्त रुख अपनाया है. कलेक्टर ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सागर से सम्बद्ध बहु. प्राथ. कृषि साख सहकारी समितियों की सदस्य स्तर की वसूली वर्ष 2024-25 में 30 जून, 2025 की स्थिति पर जिले की 46 प्राथमिक समितियों के द्वारा वसूली कार्य में रूचि नहीं लेने नोटिस वितरण एवं सतत् संपर्क नहीं करने के कारण 25 प्रतिशत से कम वसूली होने पर संज्ञान लेते हुए 46 समिति के सहायक समिति प्रबंधकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया. साथ ही समितियों में पदस्थ समिति प्रबंधक (कैडर) को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए गए. बैंक ऋण वसूली में लक्ष्यों की पूर्ति नहीं करने से संबंधित 09 शाखा प्रबंधकों को बैंक सेवानियम अनुसार कार्रवाई के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए. बैंक द्वारा कालातीत बकायादारों के विरूद्ध शेष राशि वसूली के लिए राजस्व विभाग में क्रिस योजना अंतर्गत प्रकरण दायर कर कार्रवाई प्रक्रियाधीन की गई है. बैंक की ओर से कालातीत बकायादारों से वसूली के लिए राजस्व विभाग में किस्त योजना के तहत प्रकरण दायर करने की प्रक्रिया भी शुरु कर दी गई है. कलेक्टर ने साफ किया है कि वसूली में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी, दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी.

केन्द्रीय विद्यालय हटा में एक पेड़ माँ के नामफ हुआ पौधारोपण

दमोह÷ केंद्रीय विद्यालय हटा में ÷एक पेड़ माँ के नाम स्मृति और पर्यावरण की ओर एक कदम शीर्षक से एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन मातृत्व के प्रति सम्मान और पर्यावरण संरक्षण की भावना को समर्पित कार्यक्रम में सांसद राहुल सिंह, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक श्रीमती उमादेवी खटीक, जिला पंचायत दमोह के अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, जनपद पंचायत हटा के अध्यक्ष गंगाराम पटैल विशेष रूप से सम्मिलित हुए और अतिथियों और माताओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस विशिष्ट पहल के अंतर्गत प्रत्येक पौधा एक माँ की स्मृति में एक जीवंत उपहार के रूप में रोपित किया गया, जिससे मातृत्व और प्रकृति के गहरे संबंध को संवेदनशील अभिव्यक्ति मिली। वृक्षारोपण कार्यक्रम के उपरांत अतिथियों ने विद्यालय के कक्षा 10 एवं 12 के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। सांसद राहुल सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के संबंध में विजन पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को अपनी रूचि एवं इच्छा से कैरियर का चुनाव करने के महत्त्व पर जोर दिया साथ ही साथ विद्यालय की समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन दिया।

महालक्ष्मी मंदिर में 26 जुलाई को मनाई जाएगी हरियाली तीज

छतरपुर। अग्रसेन महिला विकास समिति द्वारा महालक्ष्मी मंदिर में 26 जुलाई को हरियाली तीज मनाई जाएगी। इस अवसर पर गेम होंगे और वृक्षारोपण भी किया जाएगा। समिति की अध्यक्ष सोनम अग्रवाल की अध्यक्षता में महालक्ष्मी मंदिर में हुई बैठक में हरियाली तीज के साथ अग्रसेन जयंती को लेकर विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से तय किया गया कि हरियाली तीज पर 26 जुलाई को महालक्ष्मी मंदिर में दोपहर 3 बजे से गेम और वृक्षारोपण किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से माला महेंद्र अग्रवाल, ममता राकेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगीता गंगाराम, उपाध्यक्ष रूपा राजेंद्र अग्रवाल, सचिव नीता राहुल अग्रवाल, संगीता सौरभ अग्रवाल, नीता नवल अग्रवाल, कार्यक्रम प्रभारी संध्या राजीव, रचना मुकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ज्योति गगन अग्रवाल, सांस्कृतिक मंत्री नीतू सौरभ अग्रवाल, मीडिया प्रभारी प्रीति अनिल अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, गायत्री राजेंद्र अग्रवाल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

धार जिला पत्रकार संघ के आयोजन 'शब्द समागम' में मंत्री प्रहलाद पटेल ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया!

पत्रकार शब्दों से खेलें पर संभलकर: पटेल

धार। पत्रकारिता पर हमेशा से ही संकट रहा है, लेकिन यह इस पेशे की नियती है। क्योंकि, यह राह उन्होंने स्वयं चुनी है। कभी कभी ऐसा वक्त आता है जब ऐसा ही कठिन रास्ता चुनना पड़ता है। पत्रकारों को सत्य और सिद्धांत पर अडिग रहना चाहिए। सत्य प्रस्तुति के लिए है, स्तुति के लिए नहीं। पत्रकारों के लिए जरूरी है वह संघर्ष करे, पर उसके लिए अपनी जमीन न छोड़े। इस समय पत्रकारों के लिए सामाजिक सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। धार जिला पत्रकार संघ ने इस आवश्यकता को समझा है। यह बात बुधवार को धार जिला पत्रकार संघ के शब्द समागम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कही।

प्रहलाद पटेल ने कहा कि विश्वास का संकट हर कहीं है, राजनीति में सबसे ज्यादा। उन्होंने पत्रकारों से अपील की, कि वे आडम्बर छोडे, आवश्यकता सीमित हो, तो व्यक्ति अपने सिद्धांतों पर अडिग रह सकता है। आडम्बर के कारण हम संकट में घिरते है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकार अपने परिवार की सुरक्षा पर ध्यान दें। राजनीति के समान पत्रकारिता भी सेवा के लिए है व्यापार के लिए। मैंने अपने गुरू का आदेश मानकर राजनीति को सेवा ही समझा है। उन्होंने अशोक वानखेडे के तीखे हमलों का जवाब देते हुए कहा कि 2014 के पहले

तो राजनेताओं पर कोई विश्वास ही नहीं करता था। कुछ बातों का जवाब समय देता है और कुछ का इतिहास।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता देश के वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेडे ने कहा कि पत्रकार शब्दों से खेले पर संभलकर। पत्रकार और पत्रकारिता गहरे संकट में हैं। क्योंकि, पत्रकारिता के लिए जरूरी संविधान खुद संकट में है। संविधान को बचाना है, तो पत्रकारिता को जिंदा रखना पडेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार हमेशा विपक्ष का साथी रहा है और जो ये नहीं करते वे हमेशा चापलूसी में ही उलझे रहते हैं।

मुख्य वक्ता वानखेडे ने कहा कि पत्रकारिता सही मायने में ग्रामीण क्षेत्र में ही जिंदा है। शहर की पत्रकारिता केवल औपचारिकता रह गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकार केवल प्रामाणिक खबरे ही दें और लगातार रिसर्च करे। रिसर्च कभी बेकार नहीं जाती। हमारे लिए सबसे बडा रिवॉर्ड आम लोगों द्वारा दिए जाने वाला सम्मान है। सरकार से कोई अपेक्षा नहीं रखें। वैसे भी पत्रकार विपक्ष का मित्र होता है। पत्रकारिता में ह्यूमन टच जरूरी है। मंत्री पटेल से अपने संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि वे राजनीति में दुर्लभ व्यक्तित्व है।

पत्रकारों के लिए हाउसिंग स्कीम बनाएं

कलेक्टर प्रियंक मिश्र ने धार जिला पत्रकार संघ को सुझाव दिया कि वह पत्रकारों अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम बनाएं, वे इसमें मदद करने के लिए तैयार है। पत्रकार जन समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते है यह अनुकरणीय काम है। एसपी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि छोटे अखबार भी प्रशासन में बड़ा सुधार कर सकते है। उन्होंने एक छोटे अखबार की खबर की आधार पर जिले में पुलिसकर्मियों के तबादले किए। इसके बाद पूरे प्रदेश में पुलिसकर्मियों के तबादले हुए जिसके अच्छे परिणाम भी रहे। विधायक नीना वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार, भाजपा के प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल व कांग्रेस के प्रदेश सचिव हरदेवसिंह जाट ने भी अपने विचार रखे। धार जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष छोटू शास्त्री ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए कहा कि शब्द समागम 10 साल से निरंतर आयोजित हो रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान हम पत्रकार साथियों की चिंता करते है। उनके लिए 2 लाख रूपए की बीमा पॉलिसी देने का काम शुरू किया था, जिसकी राशि अब 10 लाख रूपए हो गई। इस वर्ष 800 पत्रकारों को यह बीमा पॉलिसी भेट कर रहे है।

स्मारिका 'धार की धड़कन' का विमोचन

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर की। वरिष्ठ पत्रकार स्व राजेन्द्र माथुर, स्व कृष्णलाल शर्मा और स्व अरविंद के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर 'शब्द समागम' 2025 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत धार जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष प छोटू शास्त्री एवं महासचिव प्रदीप अगाल सहित उपस्थित पत्रकारों ने किया। इस अवसर पर वार्षिक स्मारिका 'धार की धडकन' का विमोचन किया गया और जिले के 800 पत्रकारों को 10-10 लाख रुपए की बीमा पॉलिसी का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण शर्मा एवं धार जिला पत्रकार संघ के महासचिव प्रदीप अगाल ने किया। आभार जिला पत्रकार संघ के संरक्षक पुष्पा शर्मा ने माना। अतिथि मंत्री ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ कार्यक्रम के अंत में मंत्री प्रहलाद पटेल ने उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

देश में 11 साल में काफी विकास हुआ

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 11 साल में काफी विकास हुआ है। धार जिला भी इसमें शामिल है। धार जिले के पत्रकार काफी सजग है। उन्होंने छोटू शास्त्री को कार्यक्रम के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार हेमंत पाल विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

'चालाक शिकारी' पर ग्रामीणों का प्रहार तेंदुए को लाठी-डंडों से मार गिराया

अलीराजपुर। मध्यप्रदेश के पश्चिम सीमांत जनजातीय बहुल अलीराजपुर जिले के सोंडवा क्षेत्र स्थित ग्राम बेसवानी में बुधवार दोपहर एक सनसनीखेज घटना में ग्रामीणों ने एक आक्रामक तेंदुए को घेरकर लाठियों और पत्थरों से पीटकर मौत के घाट उतार दिया। यह घटना तब हुई जब तेंदुआ लगातार दूसरी बार गांव में पशु पर हमला कर चुका था और बुधवार दोपहर एक ग्रामीण को उसने अपना निशाना बनाया।

कैसे हुआ तेंदुए पर हमला..?

बुधवार दोपहर मे दो पहाड़ियों के बीच एक गड्ढे से तेंदुआ अचानक गांव की ओर निकला और एक ग्रामीण पर झपट पड़ा। इससे पहले मंगलवार रात और सुबह उसी तेंदुए ने गांव की बकरियों पर हमला किया था, जिससे लोग पहले से डरे हुए थे। जैसे ही ग्रामीण पर हमला हुआ, गांव के अन्य लोग लाठी-डंडे और पत्थर लेकर इकट्ठा हुए और घेराबंदी कर तेंदुए पर हमला बोल दिया। समवेत प्रयास से तेंदुआ मारा गया।

वन विभाग ने की पुष्टि, जांच जारी

वन विभाग के एसडीओ अंतरसिंह ओहरिया ने तेंदुए की मौत की पुष्टि की है। विभाग की टीम बेसवानी पहुंचकर मृत तेंदुए का पोस्टमॉर्टम कर रही है और घटना की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत संरक्षित वन्य जीवों की हत्या गंभीर अपराध है, लेकिन अगर यह आत्मरक्षा का मामला साबित होता है, तो कानूनी समाधान संभव है।

कुछ दिन पहले भी हुआ था हमला

कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र में बकरी के शिकार की सूचना पर तेंदुए की तलाश में गए वन अधिकारियों पर भी हमला हुआ था। इस हमले में वन रक्षक *

जीवन मंडलोई और बीट गार्ड विपुल चौहान घायल हुए थे, जबकि वनकर्मी लोकेंद्र कुशवाहा को मानसिक तनाव के चलते अस्पताल में भर्ती किया था। उसे वक्त भी ग्रामीण

ग्रामीण इलाकों में संकट बढ़ता जा रहा

अब यह स्पष्ट है कि अलीराजपुर के सोंडवा अंचल की पहाड़ियों में मानव-वन्य संघर्ष एक गंभीर मोड़ ले चुका है। जहां एक ओर वन्य जीवों के लिए रहने की जगह और भोजन कम हो रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण आबादी जंगलों के आसपास फैलती जा रही है। वन्य भूमि में लगातार बढ़ती इंसानी दखलअंदाजी से इंसान और जानवरों में टकराव बढ़ रहा है।

जंगल, जो कभी जानवरों का सुरक्षित घर हुआ करता था, अब मनुष्यों द्वारा कब्जा और पट्टा पाने की होड़ में सिकुड़ता जा रहा है। खेत बनाने की चाह, आवासीय विस्तार और सुविधाओं की खोज ने जानवरों के प्राकृतिक क्षेत्र को तहस-नहस कर दिया है। नतीजा यह कि अब तेंदुए जैसे जानवर भोजन और आश्रय की तलाश में इंसानी बस्तियों तक आने को मजबूर हैं।

ऐसे में 'शिकार और शिकारी' की सीमाएं ध्वस्त होती जा रही हैं।

समाधान क्या है..?

यह केवल एक तेंदुए की मौत की खबर नहीं है- यह इशारा है जंगल और इंसान के रिश्ते में आई उस दरार का, जो हर बार किसी न किसी की जान लेती है। ज़रूरत है कि सरकार तत्काल प्रभाव से ऐसे क्षेत्रों को मानव-वन्य संघर्ष क्षेत्र घोषित करे, मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए, वन्य जीवों के ठिकानों को सुरक्षित किया जाए और अवैध अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई हो। तभी इंसान और जानवर दोनों साथ रह पाएंगे, अन्यथा यह संघर्ष आने वाले समय में और भी विस्फोटक होगा।

पुलिस ने नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय की और से नशे से दूरी है जरूरी हर जिले में नशा मुक्ति के लिए जन जागरूकता अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाया जा रहा है इस तारतम में पुलिस अधीक्षक रायसेन अतिरिक्त रायसेन के निर्देश अनुसार अभियान की शुरुआत हुई एसडीपी शीला सुराणा एवं थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह औबेदुल्लागंज के नेतृत्व में थाना ओबेदुल्लागंज पुलिस ने नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया शासकीय कॉलेज वीर सावरकर में छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की अपील की और नशे के दुष्प्रभाव के बारे रील और शॉर्ट फिल्म के माध्यम से जागरूक किया गया एवं शासकीय कॉलेज के छात्र छात्राओं ने नशा से दूर रहने की शपथ ली और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया, ओबेदुल्लागंज पुलिस की इस पहल का उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है

आबकारी वृत रायसेन द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। कलेक्टर जिला रायसेन एवं सहायक आयुक्त आबकारी दीपक अवस्थी जिला रायसेन के निर्देशानुसार आबकारी उप निरीक्षक वृत रायसेन मुकेश कुमार कुमार श्रीवास्तव द्वारा शिकायत एवं मुखबिर सूचनाओं के आधार पर अवैध मदिरा के विरुद्ध बुधवार को ग्राम भूसीमेटा, पटी, चिलवाहा एवं भूरीतेकरी में दबिस देकर कच्ची एवं महुआ लाहान बरामद कर कुल 04 प्रकरण बनाए गए. जंगल में अज्ञात कच्चे मकान में हाथ भट्टी मदिरा बनती हुई भट्टी को तोड़ा गया। मौके पर किसी के न रहने से अज्ञात प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया ।बनाए गए सभी 04 प्रकरनो में कुल 25 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जप्त एवं 2000 किलो महुआ लाहन का सेंपल लेकर नष्ट किया। एवं मौक़े पर मध्य प्रदेश आबकारी एक्ट की धारा 34- 1(क) (च) के तहत अज्ञात प्रकरण कायम कर विवेचना में लिए गए जप्त कुल मदिरा का अनुमानित मूल्य 2,05,000/ - रूपये है। उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक गोविंद महावार, सत्यवान वर्मा एवं नगर सैनिक सूरज धाकड़ का सराहनीय योगदान रहा ।

विधानसभा के मानसून सत्र में गूंजेगा मंडला में स्मार्ट मीटर लगाने का मुद्दा

मंडला। मंडला जिले में जनता के नेता कहे जाने वाले और जनता से जुड़े हर मुद्दे समस्या को प्रमुखता से उठाने वाले बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने मंडला में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के सम्बन्ध में विधानसभा में आवाज उठाई है।28 जुलाई से शुरु होने वाले विधानसभा सत्र में विधायक पट्टा ने तारांकित प्रश्न लगाकर सरकार से पूछा है कि स्मार्ट मीटर लगाने का उद्देश्य क्या है? क्या जनता से वसूली के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं?जब कुछ समय पूर्व ही इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए गए हैं तो स्मार्ट मीटर लगाने का औचित्य क्या है?क्या इनकी राशि उपभोक्ता से वसूली जाएगी? आम जनता से सीधे जुड़े इस मुद्दे को लेकर विधायक पट्टा ने जिस आक्रामक ढंग से इसकी आवाज उठाई है उसे आम जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है।विधायक ने कहा है कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से सरकार आम जनता का आर्थिक शोषण कर रही है इसे हम बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेंगे और विधानसभा में इस मुद्दे पर जमकर हंगामा करेंगे।सरकार जनता से सीधे लूट कर रही है हम यह नहीं होने देंगे।सदन से लेकर सड़क तक हम इसकी लड़ाई लड़ेंगे।

दवा दुकानों का किया गया निरीक्षण

मंडला। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में दवाओं के नशे के रूप में दुरूपयोग रोकने, गर्भपात की दवाओं के क्रय-विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण एवं नियमानुसार औषधियों का क्रय-विक्रय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रशासन द्वारा मंडला जिले में स्थित दवा दुकानों का लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है। औषधि निरीक्षक जिला मंडला द्वारा मेसर्स वैष्णवी मेडिकल स्टोर्स एवं ओम साई मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर्स, अंजनिया तहसील बिछिया जिला मंडला का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान दवा दुकानों में पाई गई अनियमितताओं एवं औषधि,प्रसाधन सामग्री नियमावली 1945 के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जांच रिपोर्ट तैयार कर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी जिला मंडला को प्रेषित किया गया था। औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी जिला मंडला द्वारा उपरोक्त संस्थान को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया था।कारण बताओ नोटिस का जवाब समाधानकारक व संतोषजनक नही पाए जाने के चलते मेसर्स वैष्णवी मेडिकल स्टोर्स एवं ओम साई मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर्स को स्वीकृत औषधि अनुज्ञप्तियाँ 5 दिनों के लिए निलंबित कर दिए गए हैं। विगत माह जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स में निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के कारण 2 दवा दुकानों मेसर्स आदित्य फार्मेसी,बिछिया जिला मंडला एवं मेसर्स संजीवनी फार्मेसी,बिछिया जिला मंडला को औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी जिला मंडला द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किए गए हैं।नोटिस का जवाब संतोषजनक न पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

मातृभाषा हिंदी, संस्कृत अंग्रेजी का एक भी नही है शिक्षक जबकि विज्ञान विषय के तीन शिक्षक पदस्थ

बलारपुर विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद

दमोह। दमोह जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बलारपुर शासकीय हाई स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे लगे शोपीस की तरह नजर आए तो वही दूसरी ओर कक्षाओं की बात की जाए तो जो कक्षाएं विद्यालय में संचालित हो रही हैं उन विषयों कें पर्याप्त शिक्षक भी नहीं है और विज्ञान विषय के तीन शिक्षक है जबकि हिंदी,अंग्रेजी, संस्कृत विषय के एक भी शिक्षक नहीं है

जब इस संबंध में कक्षा की प्रभारी प्रचार है से बात की तो उनके द्वारा बताया गया कि शासकीय हाई स्कूल बल्लारपुर में 220 छात्र-छात्राएं दर्ज

और पांच शिक्षक है जिनमें से विज्ञान विषय के तीन शिक्षक है और सामाजिक विज्ञान और गणित विषय के एक, एक शिक्षक है हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत का एक भी शिक्षक नहीं है और जो एक शिक्षक संकुल के कार्य से गए हैं एक शिक्षक दो दिन की छुट्टी पर है और एक शिक्षक थोड़ा काम था इसलिए चली गई है प्रभारी प्राचार्य अर्चना धुर्वे बलारपुर हाई स्कूल दमोह

इनका कहना है

अभी अतिथि शिक्षकों की पूर्णता भरती नहीं हुई है जिन विद्यालयों में नई रिक्तियां आई हैं उन विद्यालयों में वर्तमान में जो आवेदन मागें गए अतिथि शिक्षकों के उनमे से पूर्ती करेंगे है सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े है तो हम दिखाते क्यो बंद है

एस.के.नेम जिला शिक्षा अधिकारी दमोह

2 मासूम सगे भाइयों की गला रेतकर हत्या

हत्या के बाद अंबामाई के जंगल में दफनाए शव

सिवनी। जिले में लगातार एक के बाद एक होते आपराधिक मामलों में पुलिस भी सकते में आ गई है। एक आपराधिक मामले की जांच पूरी नहीं हो पाती दूसरा मामला सामने आ जाता है। इससे प्रतीत होता है कि जिले में अपराधियों में पुलिस का खौफ खत्म होते चला है जिसके चलते आए दिन चोरी, लूटपाट, छेड़छाड़ सहित खूनी खेल हत्या जैसे सौगीन आपराधिक मामलों में दिनों दिन इजाफा होते चला जा रहा है। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में लगातार तीन दिन हुई प्रेस कांफ्रेंस से हत्या, लूट-डकैती और नशे से दूरी को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा जानकारी देते हुए चर्चा की गई, पुलिस की सूझबूझ, तत्परता और हत्यारे सहित लूट-पाट करने वालों की गिरफ्तारी से आमजन ने खुशी जताई लेकिन दूसरे ही दिन दो मासूमों की निर्मम हत्या ने जिले वासियों को झकझोर कर रख दिया।

सिवनी कोतवाली थाना क्षेत्र से लापता हुए दो मासूम बच्चों की लाशें दोपहर आमागढ़ के समीप अंबामाई के घने जंगल में मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के

अनुसार, दोनों बच्चों की हत्या गला रेंतकर व पत्थर पटकर की गई। हत्या के बाद आरोपी ने शवों को मिटटी में ही दफना दिया।

बच्चों के लापता होने की सूचना दी गई थी- जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे सुनारी मोहल्ला निवासी धर्मेन्द्र धाकडिया के पुत्र मयंक धाकडिया 9 साल एवं दिव्यांश धाकडिया 6 साल रविवार से लापता थे परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो कोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इसी बीच सोमवार की दोपहर पुलिस को जानकारी मिली कि अंबामाई के जंगल में लाश है तत्काल पुलिस अंबामाई के जंगलों में पहुंची और शवों की पहचान कर पंचनामा बनाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सूत्रों के मुताबिक, दोनों शवों में साफ़ दिखाई दे रहा है कि दोनों मासूमों की हत्या गला रेंतकर की गयी है। प्रथम दृष्टया से मामला हत्या का ही दिखाई पड रहा है. हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

परिवारों में पसरा मातम, गांव में फैला डर- घटना की खबर जैसे ही परिवार को लगी परिवार समेत मोहोल्ले में मातम पसर गया साथ ही इस घटना और कृत्य के बाद अब जिले में पुलिस की लापरवाही और पुलिस के प्रति अपराधियों में समाप्त होते भय के कारण लगातार हो रही घटनाओं से रोष व्याप्त है वहीं मृत बच्चों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जापानी कंपनियां भारत के कपड़ा क्षेत्र में निवेश करने को इच्छुक, एईपीसी ने जताया अनुमान

नईदिल्ली, एजेंसी। कपड़ा उद्योग में भारत और जापान की कंपनियों के बीच सहयोग बढ़ाने का सुनहरा अवसर मौजूद हैं। टोक्यो की कंपनियां भारत में निवेश करने की इच्छुक हैं। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने बुधवार को यह बात कही। एईपीसी के अध्यक्ष सुधीर सेखरी ने कहा कि परिधान क्षेत्र में व्यापार के अवसरों का पता लगाने के लिए दोनों देशों की कंपनियों के बीच कई बैठकें हुईं। टोक्यो में इंडिया टेक्स ट्रेंड फेयर (आईटीटीएफ) में कई घरेलू कंपनियां भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने जापान से सोर्सिंग बढ़ाने और भारत में अधिक निवेश करने को कहा है। यूनिक्लो, एडास्ट्रिया, टोरे, इटोकिन कंपनी, ब्रोक जापान, डाइसो, वाईकेके और पेगासस जैसे प्रमुख ब्रांडों के साथ हमारी सफल बैठकें हुई हैं। भारतीय उद्योग जापानी गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सेखरी ने कहा कि हम अपने सभी जापानी साझेदारों को भारतीय प्रदर्शकों के साथ जुड़ने, सहयोगात्मक संभावनाओं का पता लगाने, पसंदीदा सोर्सिंग गंतव्य के रूप में भारत की ताकत और विश्वसनीयता का प्रत्यक्ष अनुभव करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इस मेले का उद्घाटन वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने टोक्यो में किया। यह एक प्रमुख वस्त्र कार्यक्रम है। इसका आयोजन भारतीय दूतावास, वस्त्र मंत्रालय, एईपीसी और जापान-भारत उद्योग संवर्धन संघ (जेआईआईपीए) के सहयोग से किया जाता है।

सरकार घरेलू वस्त्र विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है, जैसे सात पीएम मित्र पार्क। परिषद ने कहा शुल्क मुक्त व्यापार, मजबूत स्थायित्व संबंधी साख और लचीला विनिर्माण क्षेत्र इसके लिए मजबूत आधार हैं।

जापानी परिधान बाजार में अमेरिका का बड़ा हिस्सा

हालांकि, गुणवत्ता मानकों (विशेष रूप से एमएमएफ में) को प्राप्त करना, व्यापार प्रक्रियाओं को सरल बनाना, और जापानी अनुपालन मानदंडों का पालन करना। साथ ही अमेरिका के 35 अरब डॉलर के जापानी परिधान बाजार में अधिक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है। 2024 में जापान को भारत का परिधान निर्यात 234.5 मिलियन डॉलर का था। पिछले साल टोक्यो ने लगभग 23 अरब डॉलर मूल्य के इन सामानों का आयात किया था। इसमें भारत की हिस्सेदारी केवल एक प्रतिशत है।

DGGI की बड़ी कार्रवाई

आशिकी पान मसाला के ठिकानों पर छापेमारी, 60 करोड़ की टैक्स चोरी उजागर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस ने टैक्स चोरी और फर्जी बिलिंग के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। दिल्ली से आई 9 सदस्यीय छ्तत्तढ़ टीम ने रायपुर, दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव जिलों में आशिकी पान मसाला की निर्माण फैक्ट्री और डिस्ट्रीब्यूटर्स के ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में लगभग 60 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी और फर्जी बिलिंग से जुड़े मामलों का खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार, छ्तत्तढ़ की टीम ने राजनांदगांव में आशिकी पान मसाला के फ्रेंचाइजी नरेश मोटलानी की निर्माण फैक्ट्री और छत्तीसगढ़ के डिस्ट्रीब्यूटर विश्वनाथ काबरा के ठिकानों पर दस्तावेजों की जांच की। रायपुर में विश्वनाथ काबरा के शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय और मोवा के कूल होम्स निवास पर भी छापेमारी की गई। इसके अलावा, दुर्ग और भिलाई में आशिकी पान मसाला से जुड़े अन्य व्यावसायिक ठिकानों पर भी कार्रवाई हुई। DGGI को मिली शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई, जिसमें आशिकी पान मसाला के कारोबार में बिना टैक्स अदा किए उत्पादन और आपूर्ति के साथ-साथ फर्जी बिलिंग नेटवर्क के जरिए सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाने की बात सामने आई। जांच में जब्त किए गए दस्तावेजों और उपकरणों को फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए सुरक्षित किया गया है।

आगामी त्योहारी सीजन में 2.16 लाख से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी त्योहारी सीजन को लेकर कंपनियों ने तैयारी शुरू कर दी है। इस दौरान देशभर में 2.16 लाख से अधिक लोगों को अस्थायी रोजगार मिलने की उम्मीद है। रोजगार में यह सालाना आधार पर 15-20 फीसदी की वृद्धि है।

वर्कफोर्स सॉल्यूशंस फर्म एडेको इंडिया ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा, त्योहारी सीजन में खुदरा क्षेत्र, ई-कॉमर्स, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा, लॉजिस्टिक, आतिथ्य, यात्रा और एफएमसीजी क्षेत्रों में मांग बढ़ने की उम्मीद है। इस त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए इन क्षेत्रों की कंपनियां भारी संख्या में कर्मचारियों की भर्तियां करेंगी।

एडेको इंडिया के निदेशक एवं जनरल स्टाफिंग के प्रमुख दीपेश गुप्ता का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में मांग को बढ़ावा देने वाले अनुकूल मानसून, उपभोक्ता धारणा में सुधार, चुनाव के बाद के आर्थिक आशावाद और आक्रामक त्योहारी विज्ञापनों के कारण 2024 के मुकाबले इस साल का त्योहारी सीजन मांग एवं बिक्री के लिहाज से विभिन्न क्षेत्रों के लिए काफी अच्छा रहने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षाबंधन, दशहरा एवं दिवाली जैसे आने वाले त्योहारों और शादियों के मौसम में बिक्री में तेजी आने की उम्मीद से अस्थायी कामगारों की भर्ती गतिविधियों में तेजी आई है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और पुणे जैसे महानगरों में त्योहारी भर्तियों की मांग सबसे अधिक है। इन शहरों में पिछले साल की तुलना में 19 फीसदी अधिक अवसर उपलब्ध हैं। लखनऊ, जयपुर, कोयंबटूर, नागपुर, भुवनेश्वर, मैसूरु और वाराणसी जैसे टियर-2 शहरों में मांग में 42 फीसदी की वृद्धि देखी जा रही है। इससे पता चलता है कि त्योहारी भर्तियों का सिलसिला व्यापक रूप ले चुका है। लचीली और अल्पकालिक भूमिकाओं के लिए बढ़ती प्राथमिकता के कारण इस वर्ष की मौसमी भर्तियों में महिलाओं की भागीदारी में 23 फीसदी बढ़ोतरी देखी जा रही है। नई भर्तियों के दौरान मिलने वाले वेतन में महानगरों में 12-15 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है।वहीं, उभरते शहरों में वेतन में 18-22 फीसदी तक बढ़ोतरी की संभावना है। कुल मौसमी भर्तियों में ई-कॉमर्स और खुदरा क्षेत्र का सबसे अधिक 35-40 फीसदी योगदान होगा। लॉजिस्टिक एवं आपूर्ति क्षेत्र में भर्तियां 30-35 फीसदी बढ़ने का अनुमान है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियां भर्तियों के दौरान कई भाषाओं में दक्षता, ग्राहक-व्यवहार कौशल और डिजिटल दक्षता को प्राथमिकता दे रही हैं। खासकर इन-स्टोर बिक्री, क्रेडिट कार्ड प्रचार और डिलीवरी पूर्ति जैसी भूमिकाओं के लिए।

रील्स के शौकीनों के लिए जरूरी खबर अब सरकार दे रही रील बनाने के पैसे

आजकल सोशल मीडिया पर रील्स बनाना सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं रह गया है बल्कि यह कमाई और पहचान का एक बड़ा मीडियम भी बन चुका है। इसी डिजिटल क्रांति को और बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार एक अनोखी पहल लेकर आ रही है। ये कॉन्टेस्ट 1 जुलाई 2025 से शुरू हो चुका है और इसकी लास्ट डेट 1 अगस्त 2025 है। इस खास कॉन्टेस्ट के तहत, सरकार खुद लोगों को रील्स बनाने के लिए इंस्पायर करेगी और विजेताओं को इनाम के तौर पर पैसे भी दिए जाएंगे। यह पहल युवाओं की क्रिएटिविटी को बढ़ावा देने, भारत की कल्चरल डाइवर्सिटी को डिजिटल माध्यम से फैलाने और डिजिटल इंडिया कैंपेन को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

किसी एक्सपीरियंस की जरूरत नहीं: सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें हिस्सा लेने के लिए किसी प्रोफेशनल एक्सपीरियंस की जरूरत नहीं है। चाहे आप स्टूडेंट हों, हाउसवाइफ, कंटेंट क्रिएटर या कोई भी कॉमन एम्प्लॉई, कोई भी इसमें हिस्सा ले सकता है। अगर आपको रील बनाना पसंद है, तो यह आपके लिए सरकार के तहत आयोजित कराए जा रहे इस कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने का सुनहरा मौका है। चलिए, यहां जानिए इस कंपटीशन में हिस्सा लेने के लिए जरूरी डिटेल्स...

कब से शुरू हो रहा है रील कॉन्टेस्ट: केंद्र सरकार ने 1 जुलाई, 2025 को डिजिटल इंडिया प्रोग्राम की शुरुआत की थी। इस साल, डिजिटल इंडिया के 10 साल पूरे होने के मौके पर, सरकार ने देशवासियों के लिए एक खास कॉन्टेस्ट शुरू किया है। सरकार की ओर से आयोजित यह रील कॉन्टेस्ट विभिन्न विषयों पर आधारित होगा, जो डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों से जुड़े हैं। इनमें मेनली शामिल हैं। इनमें स्वच्छता, पर्यावरण, भारतीय कला व संस्कृति, डिजिटल सर्विस, सरकारी योजनाओं की जानकारी पॉपुलर प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करें।

आप अपनी रील्स को इंस्टाग्राम, यूट्यूब शॉर्ट्स या फेसबुक जैसे पॉपुलर प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर सकते हैं, प्रोवाइडेड वे कॉन्टेस्ट की तय शर्तों पर खरे उतरें। इस कॉन्टेस्ट में बनाई गई रील्स को न सिर्फ सरकारी सोशल मीडिया चैनलों पर प्रमोट किया जाएगा, बल्कि विजेताओं को नकद पुरस्कार, सर्टिफिकेट और पहचान भी मिलेगी। इससे न सिर्फ देशभर के युवाओं को एक नया मंच मिलेगा, बल्कि सरकारी योजनाओं की जानकारी भी रचनात्मक तरीके से अधिक लोगों तक पहुंच सकेगी। यह डिजिटल लिटरेसी और जागरूकता बढ़ाने का एक शानदार तरीका है।

विजेताओं को कितने रुपए मिलेंगे: इस प्रतियोगिता के तहत आपको अपनी पर्सनल स्टोरी और क्रिएटिव रील्स शेयर करनी होंगी, जो डिजिटल इंडिया मुहिम से जुड़ी हों। आपको ऐसी रील्स बनानी हैं, जिनमें यह दिखाना होगा कि डिजिटल इंडिया ने आपके जीवन पर कैसे पॉजिटिव इम्पैक्ट डाला है।

मणिपुर के मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह NCST के सचिव नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1993 बैच के IAS अधिकारी मणिपुर के मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है । राज्य में प्रतिनियुक्ति के छह महीने बाद ही उनकी केंद्रीय पद पर वापसी हो गई है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन पर प्रशांत कुमार सिंह की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। सिंह इस पद पर वरिष्ठ IAS अधिकारी पुनीत कुमार गोयल का स्थान लेंगे।

पुनीत कुमार मणिपुर के नए मुख्य सचिव नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1991 बैच के वरिष्ठ IAS अधिकारी पुनीत कुमार गोयल को मणिपुर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है । वे प्रशांत कुमार सिंह का स्थान लेंगे , जिन्हें कार्यमुक्त कर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। सिंह जनवरी 2025 से मणिपुर के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत थे, केंद्र से उनकी प्रतिनियुक्ति हुई थी, जहां वे पहले नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव के पद पर कार्यरत थे।

अमेजन पे ने लॉन्च किया रिवॉर्ड्स गोल्ड

मुंबई, एजेंसी। अमेजन पे ने रिवॉर्ड्स गोल्ड को पेश किया है, जो एक आसान रिवार्ड प्रोग्राम है, जिसमें प्राइम मेंबर्स को प्रत्येक योग्य लेनदेन पर 5 प्रतिशत कैशबैक और गैर-प्राइम ग्राहकों को 3 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। इस प्रोग्राम के लिए पात्रता हासिल करना आसान है- इन रिवॉर्ड को पाने के लिए अमेजन पे के माध्यम से खरीदारी या भुगतान के 25 लेनदेन पूरे करने होंगे। पात्रता हासिल करने के बाद, मेंबर्स विभिन्न श्रेणियों और मर्चेंट्स के साथ होने वाले हर लेनदेन पर 5 प्रतिशत तक का सुनिश्चित कैशबैक हासिल कर सकेंगे।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने शुरू किया आइडियाशनएक्स2.0, देश भर के टॉप 100 बी-स्कूल्स से छात्रों को जोड़ने का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे विश्वसनीय जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपने प्रमुख नवाचार कार्यक्रम आइडियाशनएक्स2.0 का दूसरा संस्करण लॉन्च किया है। यह प्लेटफ़ॉर्म युवा प्रतिभाओं को जीवन बीमा उद्योग की वास्तविक चुनौतियों के लिए नवाचार और समाधान तैयार करने का अवसर देता है। दूसरे संस्करण में यह पहल देश के शीर्ष 100 बी-स्कूल्स के प्रतिभाशाली छात्रों को 2047 तक सभी के लिए बीमा के राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। आइडियाशनएक्सकी शुरुआत विशेष रूप से बी-स्कूल्स के लिए की गई थी, जिससे उद्योग और देश के भविष्य के बिज़नेस लीडर्स के बीच सहयोग बढ़ाया जा सके। इस बार यह संस्करण पहले से कहीं बड़ा होगा और देशभर के 100 शीर्ष बी-स्कूल्स में 25,000 से अधिक छात्रों तक पहुंचेगा। यह पहल छात्रों को नवाचार के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें जीवन बीमा उद्योग की प्रगति में योगदान करने का अवसर भी देती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अनुकूल परिस्थितियों के कारण कंजम्पशन थीम में सुधार

भोपाल। ग्रामीण इलाकों में लोगों की बढ़ती आय और सामान्य मानसून की संभावना भारत में कंजम्पशन में आशावाद को जगा रही है। कंजम्पशन पर आधारित म्यूचुअल फंडों ने 2024 में निवेशकों को काफी आकर्षित किया है। 2025 की शुरूआत में एक छोटे से झटके के बाद, व्यापक बाज़ार की तरह मार्च से इस श्रेणी में उछाल आया है। कंजम्पशन फंडों में, टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड निवेशकों के लिए विचार करने योग्य निवेश विकल्पों में से एक है। टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड की मासिक औसत प्रबंधनाधीन संपत्ति 30 जून, 2025 तक 2,457.4 करोड़ रुपये तक पहुँच गई, जिसमें 31 मार्च, 2024 के 1,457 करोड़ रुपये से 69 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निवेश के संदर्भ में, टाटा म्यूचुअल फंड के आंतरिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2025 में टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड में भोपाल से 3.74 करोड़ रुपये निवेश किए गए, जो 2024 की इसी अवधि में किए गए निवेश से चार गुना अधिक है।

घर बैठे फटाफट सामान मंगाने वाला हर चौथा ग्राहक छोटे शहरों से

नईदिल्ली, एजेंसी। क्विक कॉमर्स यानी 10 मिनट में घर तक सामान पहुंचाने वाली सुविधा सेवा अब छोटे शहरों (टियर-2) शहरों में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। एक नई रिपोर्ट में बताया गया है कि अब इन शहरों में भी लोग तेजी से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जरूरी सामान मंगवाने लगे हैं। हर चार नए ग्राहकों में से एक इन शहरों से जुड़ा है। अगर ये ट्रेंड मजबूत होता है, तो क्विक कॉमर्स कंपनियों के लिए नए बाजार खोल सकता है।

IRCTC के टूर पैकेज से करिए रामलला के दर्शन रहने-खाने से लेकर ट्रैवल की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्सर लोग फैमिली के साथ मंदिर जाने का प्लान करते हैं कई लोग काशी मथुरा अयोध्या जैसी नगरी को चुनते हैं और फैमिली के साथ धार्मिक यात्रा करना चाहते हैं। अगर आप भी इन्हीं में से एक हैं और यात्रा करना चाहते हैं तो आप IRCTC के पैकेज पर नजर डाल सकते हैं। दरअसल IRCTC अयोध्या के लिए के लिए शानदार टूर पैकेज लेकर आया है। इसकी मदद से आप सुविधाजनक तरीके से अपनी अयोध्या की यात्रा कर सकते हैं।

चलिए हम आपको IRCTC के इस टूर पैकेज की पूरी जानकारी दे रहे हैं। जिसे खास तौर पर अयोध्या के लिए ही बनाया गया है इस पैकेज से आप अयोध्या के दर्शन करने का प्लान कर सकते हैं। इस पैकेज में आपको कई तरह की सुविधाएं मिलेगी। चलिए इन सभी के बारे में विस्तार से जानते हैं। बता दें कि IRCTC का यह अयोध्या टूर पैकेज 1 रात और 2 दिन का होने वाला है। वहीं इस पैकेज का कोड हृष्ठ्र012 है। जानकारी दे दें कि इस टूर पैकेज में आपको ट्रेन से यात्रा कराई जाएगी। इसके अलावा अयोध्या में आपको केब की सुविधाएं दी जाएगी। ऐसे में यह समझा जा सकता हैं कि आपको इस यात्रा में कोई भी ट्रैवल की परेशानी नहीं आएगी। और आपको यात्रा सुविधाजनक रहेगी। दरअसल अक्सर लोग यात्रा इसलिए ही नहीं करते हैं क्योंकि सफर के बड़ी दिक्कतें आती हैं और बार बार गाड़ियां बदलना पड़ती है। लेकिन इस यात्रा में आपको कोई भी परेशानी नहीं होगी।

आईआरसीटीसी के इस टूर पैकेज के बारे में आप इसकी आधिकारिक वेबसाइट से भी पता कर सकते हैं बता दें कि इस शानदार टूर पैकेज की शुरुआत 19 जुलाई, 2025 को हो रही है। जानकारी दें दें कि इसकी शुरुआत दिल्ली से होगी। दरअसल IRCTC के इस टूर पैकेज में ठहरने की भी उत्तम व्यवस्था की गई है। आपको खाने से लेकर रहने का इंतजाम करने भी जरूरत नहीं है सब कुछ आईआरसीटीसी द्वारा किया जाएगा। बता दें कि अकेले यात्रा करने पर आपको 16,020 रुपये किराये के रूप में देने होंगे। जबकि अगर आप दो लोगों के साथ यात्रा करने वाले हैं तो बता दें कि इसपर प्रति व्यक्ति किराया 11,040 रुपये है वहीं अगर आप तीन लोगों के साथ यात्रा कर रहे हैं तो आपको प्रति व्यक्ति 9,510 रुपये खर्च करने होंगे।

टेस्ला के आने से भारतीय ईवी कंपनियों पर नहीं पड़ेगा असर, कंपनी भारत में नहीं बनाएगी कार

नईदिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क के स्वामित्व वाली टेस्ला के भारतीय बाजार में कदम रखने से इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली घरेलू वाहन कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसकी प्रमुख वजह टेस्ला कारों की अत्यधिक कीमत है। दरअसल, टेस्ला ने भारत में जिस मिड-साइज एसयूवी वाई मॉडल को लॉन्च किया है, उसकी शुरुआती कीमत करीब 60 लाख रुपये है। यह कार भारत में नहीं बनेगी, बल्कि टेस्ला इसे अपने शंघाई विनिर्माण प्लांट से पूरी तरह से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में आयात करेगी।

भारत में 40,000 डॉलर (34.38 लाख रुपये) तक की कीमत वाली आयातित कारों पर 70 फीसदी और इससे अधिक मूल्य वाली कारों पर 100 फीसदी टैक्स लगता है। यह टैक्स लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) पर लगाया जाता है।

आयात शुल्क के कारण वाई मॉडल की शुरुआती कीमत टाटा मोटर्स की हैरियर.ईवी और महिंद्रा की एक्सईवी 9ई के टॉप वेरिएंट से काफी अधिक है।

भारत टेस्ला के लिए जरूरी है या मजबूरी: विशेषज्ञों का कहना है, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऑटो मार्केट भारत में ई-वाहन बाजार तेजी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसके विपरीत, टेस्ला की वैश्विक ई-वाहन बिक्री जून तिमाही में 13.5 फीसदी घटी है और कंपनी को चीनी कारों से कड़ी चुनौती मिल रही है। ऐसे में टेस्ला के लिए भारत आना जरूरी हो गया था। भारतीय ई-वाहन बाजार के 2030 तक सालाना 22-25 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। इस अवधि में यह बाजार बढ़कर 10 लाख करोड़ का होगा।

अनिल अंबानी के अच्छे दिन! कर्ज निपटाने के बाद अब 18,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। कभी देश के टॉप रईसों में शामिल अनिल अंबानी की कंपनियों के अच्छे दिन आ गए हैं। उनकी दो कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फास्ट्रक्चर ने 9,000-9,000 करोड़ रुपये जुटाने का फैसला किया है। दोनों कंपनियों के बोर्ड ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। ये पैसे क्यूआईपी और दूसरे तरीकों से जुटाए जाएंगे। हाल में इन दोनों कंपनियों के शेयरों में काफी तेजी आई है और उन्होंने अपना कर्ज तेजी से कम किया है।रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड की बुधवार को हुई मीटिंग में 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दी गई। कंपनी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स को इक्विटी शेयर या इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट जारी करके पैसे जुटाएगी। कंपनी का बोर्ड एक और काम करेगा। वह सिक्योर्ड/अनसिक्योर्ड, रिडीमेबल, नॉन-कनवर्टीबल डिबेंचर जारी करेगा। ये डिबेंचर 3,000 करोड़ रुपये तक के होंगे।

40,000 करोड़ का डिविडेंड... अंबानी-अडानी से ज्यादा कमा गए शिव नाडर और अनिल अग्रवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के कुछ सबसे अमीर अरबपति और भी अमीर हो गए हैं। उनकी कमाई स्टॉक मार्केट में तेजी या आईपीओ से नहीं हुई। बल्कि उन्हें सीधे कैश मिला। फाइनेंशियल ईयर 2025 में मुकेश अंबानी, गौतम अडानी और अनिल अग्रवाल जैसे देश के 10 सबसे बड़े कारोबारियों को डिविडेंड के तौर पर 40,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम मिली। इससे साफ है कि भारत की कंपनियां खूब पैसा कमा रही हैं। लगभग सभी सेक्टरों में डिविडेंड की इनकम बढ़ी है। इसमें टेक्नोलॉजी, टेलीकॉम, मेटल और फार्मा जैसी कंपनियां शामिल हैं।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के मालिक और देश के सबसे बड़े दानवीर शिव नाडर को वित्त वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा 9,902 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला। यह जानकारी रेगुलेटरी फाइलिंग और ष्टश्व इक्विटी से मिली है। एचसीएल ने हर शेयर पर 60 रुपये का डिविडेंड दिया। कंपनी ने कुल 16,290 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया। नाडर परिवार की कंपनी में 60.81 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 80 साल के नाडर 37.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ भारत के तीसरे सबसे अमीर आदमी हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में वह 50वें नंबर पर हैं। सबसे ज्यादा डिविडेंड पाने वाले अमीरों की लिस्ट में वेदांता के अनिल अग्रवाल दूसरे नंबर पर हैं। उनके परिवार को डिविडेंड के तौर पर 9,591 करोड़ रुपये मिले। वेदांता ने एफवाय25 के लिए कुल 17,009 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया। लेकिन, कंपनी पर इतना ज्यादा कैश बांटने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शॉर्ट-सेलर वाइसराय ने हाल ही में पूछा था कि कंपनी इतना डिविडेंड दे भी पाएगी या नहीं अग्रवाल परिवार की कंपनी में 56.38 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह हिस्सेदारी कई अनलिस्टेड होल्डिंग कंपनियों के जरिए है। इस लिस्ट में विप्रो के मालिक अजीम प्रेमजी तीसरे नंबर पर हैं। वित्त वर्ष 2025 में उन्हें डिविडेंड के रूप में 4,570 करोड़ रुपये मिले। उनके परिवार की कंपनी में 72.66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विप्रो ने हर शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड दिया। अंबानी परिवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज से डिविडेंड के तौर पर 3,655 करोड़ रुपये मिले। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कुल 7,443 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया। अंबानी परिवार की कंपनी में 50.11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह हिस्सेदारी सीधे और अनलिस्टेड होल्डिंग कंपनियों के जरिए है। परिवार को हर शेयर पर 5.50 रुपये का डिविडेंड मिला। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के प्रमोटरों को कुल मिलाकर 2,331 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला। कंपनी के प्रमोटर्स में एन आर नारायण मूर्ति, नंदन नीलेकणि, एस डी शिबुलाल, एस गोपालकृष्णन और के दिनेश शामिल हैं। प्रमोटर समूह की कंपनी में 14.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने एफवाय25 में 43 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 17,854 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया। भारती एयरटेल के मालिक सुनील भारती मित्तल और उनके परिवार को डिविडेंड के तौर पर 2,357 करोड़ रुपये मिले। इस टेलीकॉम कंपनी ने निवेशकों को 16 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया। भारत के पहले फार्मा अरबपति दिलीप सांघवी को सन फार्मा से एफवाय25 में 2,091 करोड़ रुपये मिले। कंपनी ने 3,839 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया और प्रमोटर समूह की 54.48 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सुबह 4 बजे कॉल, ओटीपी नहीं बताया फिर भी उडाये 50 हजार रूपये

मोबाइल रीसेट कर साइबर ठगों ने मिटाए सारे सबूत, एसबीआई क्रेडिट कार्ड धारकों से फ्राड संबंधित बढ रहीं शिकायते

छिंदवाड़ा। जिले में साइबर ठगी का एक नया और अत्यंत सोच-समझकर अंजाम दिया गया मामला सामने आया है, जिसमें नरसिंहपुर रोड पर रहने वाले युवक को सुबह 4 बजे के आसपास लगातार अनजान कॉल्स आती रही परेशान होने के बाद कॉल्स उठाने के तुरंत बाद, उसके एसबीआई क्रेडिट कार्ड से लगभग 50 हजार रूपये की अंतरराष्ट्रीय ट्रांजेक्शन हो गई जबकि उसने ओटीपी किसी को भी नहीं बताया था। घटना की गंभीरता तब और बढ़ गई जब पीड़ित ने कार्ड को तुरंत ब्लॉक कर दिया और अगले 10 हजार रूपये का ट्रांजेक्शन फेल हो गया। इसी के अगले मिनट में मोबाईल अपने आप रीस्टार्ट होकर फैक्ट्री रिसेट हो गया, जिससे ओटीपी, मैसेज, ट्रांजेक्शन डिटेल और सारे डिजिटल साक्ष्य अपने आप मिट गए। यह घटना सुबह 4 से 5 बजे के बीच की है इसकी लिखित शिकायत छिंदवाडा पुलिस व भारतीय स्?टेट बैंक को भी की गई है जिसमें उनके द्वारा कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया है. वहीं यह नये तरीके का हैक सिर्फ क्रेडिट कार्ड यूजर के साथ ही हो रहा है.

एनएसएस स्वयंसेवक बलराम उईके को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के राष्ट्रीय सेवा योजना पूर्व जिला संगठक डॉ.वाय.के. शर्मा

विगत 21 वर्ष पहले वर्ष 2003 - 04 में राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना सर्वश्रेष्ठ जिला संगठक पुरस्कार से सम्मानित है। प्राचार्य डॉ वाय. के. शर्मा के मार्गदर्शन में 21 वर्ष बाद उनके राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक बलराम उईके को स्वयंसेवक स्तर में राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार वर्ष 2020 - 21 के लिए स्वयंसेवक को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान श्री उईके को निःस्वार्थ सेवा भाव जैसे रक्तदान, वृध्दजनों कि सेवा,कोविड़-19 में जरूरतमंदो मास्क,सेनेटाइजर वितरण व जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए,जरूरतमंदो लोगों को कम्बल वितरण, निःशक्तजन बच्चों को पुस्तक, कॉपी, पेन, वाइट बोर्ड प्रदान किये। पर्यावरण संरक्षण ,पौधारोपण, बाल श्रम, बाल शिक्षा, बाल शोषण,एवं बेटी बचाओं ङ्क बेटी पढ़ाओं, महिला सशक्तिकरण, मतदाता जागरूकता, एड्य जगरूकता,स्वच्छता जागरूकता,जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक, कैसलेस इंडिया जैसे जागरूकता कार्यक्रम किया जैसें विषयों पर उल्लेखनीय कार्य करने पर सम्मानित किया जाएगा।

105 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब एवं बोलेरो बाहन जब्त 3 आरोपी गिरफ्तार

अमरवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिन्दवाड़ा अजय पाण्डेय, व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री आयुष गुप्ता के निर्देशन में छिंदवाड़ा जिले में अवैध शराब / मादक पदार्थ की तस्करी, विक्रय व अवैध शराब का भंडारण करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने का जिले में विशेष अभियान निरन्तर जारी है जिसके अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अमरवाडा श्रीमति कल्याणी वरकडे के नेतृत्व में थाना प्रभारी अमरवाड़ा द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तत्काल सूचना पर 15-16/07/2025 की रात्री में ग्राम थावडीकला पुलिया के पास नाकाबंदी कर आरोपी 01) आकाश पिता सकरलाल धुर्वे उम्र-25 साल निवासी ग्राम झगडाबोह (02) महेश उर्फ मंगल पिता संतोष बंजारा उम्र-25 साल निवासी वार्ड न 14 अमरवाड़ा (03) अनिल पिता अमीरचंद डेहरिया उम्र-25 साल निवासी वार्ड न.14 अमरवाड़ा थाना अमरवाड़ा को थाना अमरवाड़ा पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर अवैध शराब परिवहन करते बोलेरो वाहन MP28TA0921 से पकड़ा गया जिसमें 07 प्लास्टिक की जरिकेन (05 सफेद, 02 पीले रंग) में कुल 105 लीटर अवैध हाथ भट्टी की बनी कच्ची महुआ शराब कीमती 10500 रू की एंव बोलेरो वाहन MP28TA0921 जप्त कर आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियो के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

आईटीआई में प्रायोगिक परीक्षा 17 से 22 तक

छिन्दवाड़ा। शासकीय आईटीआई छिन्दवाड़ा के नोडल प्राचार्य श्री सी.बी.उईके ने बताया कि प्रदेश की सभी शासकीय एवं निजी आईटीआई में एनसीवीटी के अंतर्गत प्रवेश प्रशिक्षणार्थियों की अखिल भारतीय व्यवसायिक परीक्षा (एआईटीटी) प्रायोगिक परीक्षा 17 से 22 जुलाई 2025 तक सम्पन्न कराया जाना है।

आवश्यकता है

एमपी ऑनलाईन में कार्य हेतु आवश्यकता है, व्यक्तिगत सम्पर्क करें, 11 से शाम 6 बजे तक सम्पर्क करें

:: सम्पर्क ::

बालाजी एसोशिएट,गर्ल्स के सामने प्रेस काम्पलेक्स छिंदवाड़ा म.प्र.

खाद के लिए मची ऐसी भगदड़: ओक्टे

खाद की आपूर्ति करने में पूरी तरह विफल हुई भाजपा की सरकार, कमलनाथ व नकुलनाथ ने खाद कम्पनियों से की सीधी बात

छिन्दवाड़ा। संसदीय क्षेत्र छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना के इतिहास में पहली दफा खाद के लिए ऐसी भगदड़ मची है। किसान सुबह से ही खाद के लिए वितरण केन्द्रों के समक्ष कतार में खड़ा है, लेकिन भाजपा की सरकार से उसे यूरिया नहीं बल्कि पुलिस की सख्ती मिल रही। कांग्रेस के द्वारा लगातार शासन व प्रशासन को खाद के भण्डारण व वितरण को लेकर आगाह किया गया फिर भी जिम्मेदार नहीं जागे। परिणाम स्वरूप किसान खाद के लिए भटक रहा है। किसानों की खाद से सम्बंधित समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए कमलनाथ एवं नकुलनाथ ने खाद कम्पनियों के प्रमुखों से खाद उपलब्ध कराने हेतु चर्चा की है। उक्त उदगार जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने राजीव कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।श्री ओकटे ने आगे कहा कि भाजपा सरकार के तीनों इंजन फेल हो चुके हैं। जिले का किसान लगातार भटक रहा और सांसद अपनी पार्टी के नेताओं व मंत्रियों के साथ फोटो खिंचवाने में व्यस्त है, उन्हें किसानों की कोई चिंता नहीं है। सरकार से हम लगातार मांग कर रहे हैं कि जिन किसानों पर सोसाइटियों का ऋण है उन्हें नकद में खाद दी जाए। सांसद कोरी बयानबाजी छोड़ें और किसान हित में ठोस कदम उठाते हुए यूरिया खाद की पर्याप्त व्यवस्था करें, क्योंकि किसान भाजपा के नेताओं के आश्वासन और घोषणाओं को सुन-सुनकर थक चुके। आगामी तीन दिवस के भीतर यूरिया की उपलब्धता नहीं हुई तो कांग्रेस विधानसभावार उग्र आंदोलन व धरना प्रदर्शन करेगी जिसके लिए शासन व प्रशासन जिम्मेदार होंगे। उन्होंने आगे कहा कि पिछले वर्ष 1 अप्रैल से 15 जुलाई के बीच 38 हजार मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध था, किन्तु इस वर्ष अभी तक 30 हजार मीट्रिक टन यूरिया ही छिन्दवाड़ा आया है, जबकि हर वर्ष 30 प्रतिशत की दर से यूरिया की खपत बढ़ रही है।

पातालकोट एवं पेंचवैली में बढेंगे कोच

सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र ठाकुर लगातार चौथी बार बने जेड आर यू सी सी मेम्बर

छिन्दवाड़ा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल की बैठक का आयोजन बुधवार को नागपुर में किया गया। जिसमें सांसद बंटी विवेक साहू का प्रतिनिधित्व करते हुए सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र ठाकुर बैठक में प्रमुख रूप से शामिल हुए। बैठक में सत्येन्द्र ठाकुर ने पेंचव्हेली और पातालकोट ट्रेन में सुविधाएं बढ़ाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। जिसके जवाब में मंडल रेल प्रबंधक दीपक गुप्ता ने पेंचव्हेली और पातालकोट ट्रेन में जल्द ही सुविधाएं बढ़ाने की बात कही। छिन्दवाड़ा स्टेशन में बुजुर्ग एवं दिव्यांग यात्रियों के लिए जल्द ही बेटरी संचालित गाड़ी की सुविधा भी शुरू हो सकेगी। वहीं इस दौरान जेड आर यू सी सी मेम्बर के लिए भी चुनाव हुए जिसमें सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र ठाकुर लगातार चौथी बार जेड आर यू सी सी के मेम्बर चुने गए।

सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र ठाकुर ने बताया कि सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों से नैनपुर से छिन्दवाड़ा होकर इंदौर जाने वाली पैंचव्हेली ट्रेन में जल्द ही टू एसी, थ्री एसी के चार-चार कोच एवं स्लीपर के अतिरिक्त कोच जल्द ही बढ़ाये जायेंगे। साथ ही पातालकोट ट्रेन में भी जल्द ही पेट्री कार की सुविधा शुरू हो सकेगी। पेंचव्हेली और पातालकोट ट्रेन में सुविधाएं बढ़ाने का मुद्दा बैठक में उठाया गया था। जिसके जवाब में मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार ने बताया कि रतलाम रेल मंडल को कोच बढ़ाने के लिए मांग करते हुए पत्र प्रेषित किया है, जल्द ही पेंचव्हेली ट्रेन में एसी और स्लीपर कोच बढ़ाये जायेंगे। वही पातालकोट ट्रेन में भी जल्द ही कैटिंग की सुविधा हो सकेगी। सत्येन्द्र ठाकुर ने बताया कि सांसद बंटी विवेक साहू के द्वारा भी पेंचव्हेली और पातालकोट ट्रेन में सुविधाएं बढ़ाने के संबंध में रेल मंत्री सहित रेलवे के उच्च अधिकारियों से चर्चा करते हुए उन्हे पत्र प्रेषित किया गया था।

बैठक में उठा पेंचवैली और पातालकोट ट्रेन में सुविधाएं बढ़ाने का मुद्दा

सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र ठाकुर ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल की बैठक में बताया कि छिन्दवाड़ा जिले से बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ाई करने के लिए और अन्य लोग महत्वपूर्ण काम से भोपाल और इंदौर का सफर पेंचव्हेली ट्रेन से करते है। इस ट्रेन में एसी और स्लीपर कोच कम होने से लोगों को रिर्जवेशन नही मिल पाता है। जिसके कारण उन्हें महंगा किराया देकर बस से सफर करना पड़ता है। पेंचव्हेली ट्रेन में एसी और स्लीपर कोच बढ़ जाने से यात्रियों को सुविधा हो सकेगी। वहीं पातालकोट ट्रेन लंबी दूरी की ट्रेन है इस ट्रेन में कैटिंग की सुविधा नहीं होने से लोगों को परेशानियां होती है। पातालकोट ट्रेन में कैटिंग की सुविधा होने से लोगों को सुविधा हो सकेगी।

सत्येन्द्र ठाकुर लगातार चौथी बार बने जेड आर यू सी सी मेम्बर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल की बैठक के दौरान जेड आर यू सी सी मेम्बर के लिए हुए चुनाव में छिन्दवाड़ा से सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र ठाकुर लगातार चौथी बार जेड आर यू सी सी मेम्बर बन गए है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र ठाकुर और गोंदिया के विनोद चांदवानी के बीच चुनाव हुआ, जिसमें कुल 18 वोट डाले गये। जिसमें सत्येन्द्र ठाकुर को 12 वोट और विनोद चांदवानी को 05 वोट मिले एवं 1 वोट निरंक निकला। चुनाव परिणाम के बाद सत्येन्द्र ठाकुर को विजय घोषित किया गया। उल्लेखनीय है कि सत्येन्द्र ठाकुर जिले के एकमात्र युवा है जो नागपुर डिवीजन से जोन के लिए निर्वाचित हुए है। श्री ठाकुर पूरे नागपुर डिवीजन का प्रतिनिधित्व जबलपुर जोन में करेंगे। इस चुनाव में नागपुर मंडल के सभी डीआयूसीसी मेम्बरों में एक सदस्य जेडआरयूसीसी के लिए निर्वाचित होता है। सत्येन्द्र ठाकुर ने अपनी इस उपलब्धि के लिए सांसद बंटी विवेक साहू और नागपुर मंडल के सभी डीआरयूसीसी मेम्बरो के प्रति आभार व्यक्त किया है। बैठक में डीआरएम दीपक कुमार, कटनी विधायक गौरव पारधी, सीनियर डीसीएम दिलीप सिंह, नागपुर मंडल के डीआरयूसीसी मेम्बर सौरभ ठाकुर, श्रीमती मोना चौधरी एवं सभी सांसद प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

किसानों की सुविधा को देखते हुए अतिरिक्त केंद्र खोले जायें

ग्रीष्म कालीन मूंग खरीदी का एक ही केंद्र किसान हो रहे परेशान

अमरवाड़ा। विधानसभा क्षेत्र अमरवाड़ा मैं खरीदी केन्द्र सीमित होने से ग्रीष्मकालीन मूंग उत्पादक किसानों को अपनी उपज का विक्रय करने में परेशानी हो रही है इस वार ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी हेतु अमरवाड़ा में केवल एक ही समर्थन मूल्य पर मूँग की खरीदी का केंद्र विपणन सहकारी समिति मर्यादित द्वारा भारत वेयर हाउस में स्थापित किया गया हैइस वर्ष लगभग 945 किसानों ने मूँग के पंजीयन कराए है जिससे लगभग 30 से 40 हजार कुंटल मूंग का उपार्जन होने की संभावना है किंतु शासन के द्वारा पूरे अमरवाड़ा क्षेत्र के किसानों के लिए एक ही खरीदी केन्द्र बनाया गया है और ऐसे ही हर्राई में भी एक ही खरीदी केंद्र स्थापित किया गया है जिससे किसानों को अपनी उपज का विक्रय करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,। जबकि अमरवाड़ा मूँग खरीदी के लिए 2 अतिरिक्त केंद्र की आवश्यकता है। 9 जुलाई से मूंग की खरीदी शुरू है सूत्रों से मिली जानकारी से अभी तक विपणन सहकारी समिति मर्यादित द्वारा महज़ 4 किसानों की 125 क्विंटल की तुलाई हो पाई है, अगर यही हाल रहा तो बहुत से किसान मूँग तुलाई से वंचित रह जाएँगे। समर्थन मूल्य पर उपज की विक्रय हेतु शासन के द्वारा एक निर्धारित प्रक्रिया बनाई गई है जिसमें किसानों को निर्धारित तारीख में स्लॉट बुक करना होता है और अपनी उपज को विक्रय हेतु निर्धारित केंद्र में ले जाना होता सामान्यतः एक दिन मे लगभग 300 कुंटल उपज की खरीदी हो पाती है शासन द्वारा खरीदी की अंतिम तिथि 6 अगस्त निर्धारित की गई है यदि अनुमानित 300 कुंटल की भी प्रतिदिन खरीदी होती है तो अंतिम तिथि तक लगभग 5-6 हजार कुंटल की ही खरीदी हो पाएगी है ऐसे में बहुत बड़ी तादात में किसान अपनी उपज बेचने से वंचित रह सकते हैं किसानों की सुविधा को दृष्टि में रखते हुए अमरवाड़ा में और 2 अतिरिक्त खरीदी केंद्र तुरन्त बनाए जाने की आवश्यकता है,जिससे किसानों से को सुविधा मिल सके।

जिले में जल्द मिलेगी यूरिया की नई खेप

छिंदवाड़ा। जिले में मक्के की फसल के लिए यूरिया उर्वरक की मांग बढ़ रही है। अब तक किसानों द्वारा 88,000 मीट्रिक टन यूरिया का उठाव किया जा चुका है, जो पिछले वर्ष के समान है। वर्तमान में जिले में 3000 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है।

2-3 दिन में और यूरिया की खेप पहुंचेगी

शासन द्वारा 04 रैंक यूरिया प्रदाय की गई है, जो ट्रांजिट में है। चंबल, इफको, आईपीएल, ब्रम्हपुत्र वेली कंपनी की यूरिया आवंटित की जाकर छिंदवाड़ा जिले हेतु भेजी गई है। इससे अगले 2-3 दिन में जिले को 6000 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध हो सकेगा।जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे 2 दिन बाद अपने नजदीकी मार्कफेड गोदाम, सहकारी समिति विक्रय केंद्र पर जाकर यूरिया उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। आगामी समय में भी किसानों को आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में यूरिया प्राप्त होगी। जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक ए.के.जैन बताया कि जिले में यूरिया की कमी हो रही है लेकिन शीघ्र ही धीरे-धीरे इस कमी को पूरी कर लिया जाएगा अभी तीन रैक यूरिया जल्द मिलने वाली है।

4 प्रतिष्ठानों से 9 घरेलू गैस सिलेंडर किये गये जप्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टरी शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी छिन्दवाड़ा श्रीमती गंगा कुमरे के निर्देशन में सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री गीतराज गेडाम, सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री राघवेन्द्र सिंह लिल्होरे, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री नागेश्वर श्रीवास एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री आलोक काछी के साथ संयुक्त रूप से 15 जुलाई 2025 को नगरीय क्षेत्र अमरवाड़ा स्थित होटल/प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेण्डरों के दुरूपयोग के संबंध में जांच की गई तथा पेट्रोल पम्प की भी जांच की गई।

छात्रावास में खराब भोजन देने को लेकर आदिवासियों ने किया प्रदर्शन

छिंदवाडा। जिले के बिछुआ विकासखंड में आज आदिवासी समाज ने विभिन्न मांगों को लेकर रैली एवं चक्का जाम किया आदिवासी समाज के लोगों का कहना है कि आदिवासी समाज के साथ इन दिनों अत्याचार किया जा रहा है, कही आदिवासी समाज के युवक को बेरहमी से पिटाई के मामले हो या फिर छात्रावास एवं आश्रम शालाओं में बच्चों को भोजन संबंधित समस्या को लेकर आज आदिवासी समाज ने हजारों की संख्या में बिछुआ विकासखंड में रैली एवं चक्का जाम कर कलेक्टर के नाम पर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा..

आदिवासी समाज के लोगों की विभिन्न मांग

आदिवासी छात्रावास में गैर आदिवासी अधीक्षक हटाए जाएं, आदिवासी समाज के लोगों ने आज विछुआ मुख्यालय में हजारों की संख्या में आये आदिवासी समाज के महिला पुरुष ने रैली निकलकर बिछुआ में चक्का जाम कर दिया उनकी मांग है कि आदिवासी छात्रावासों में जो गैर आदिवासी अधीक्षक छात्रावास में बने बैठे हैं उन्हें तत्काल हटाया जाए और आदिवासी शिक्षक को छात्रावास का अधीक्षक बनाने की मांग किया है

भोजन व्यवस्था को लेकर आक्रोश

आदिवासी समाज के लोगों ने रैली एंव धरना प्रदर्शन करके जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त के खिलाफ आक्रोश देखने को मिला उनका कहना है कि जब से जनजातीय विभाग छिंदवाड़ा में सहायक आयुक्त सतेंद्र सिंह मरकाम जब से जिलें में आयें है आदिवासी समाज के बच्चों को मूलभूत सुविधा नहीं मिल पा रही है आज पूरे जिले के छात्रावास में राजनीति करने वाले कुछ लोगों ने भोजन व्यवस्था का टेंडर लिया है तब से बच्चों को घटिया प्रकार का भोजन खिलाया जा रहा है जिसमें गुणवत्ता का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है, छात्रावास आश्रम शालाओं में हमारे बच्चों को ऐसा भोजन दिया जा रहा है जिसें जानवर भी नहीं कहेंगे,, भोजन में कहीं दिल्ली निकल रही है तो कहीं कंकर निकल रहे हैं दाल और सब्जी तो ऐसी दे रही है जिसमें सिर्फ पानी ही पानी देख रहा है इस प्रकार का भोजन हमारे बच्चों को दिया जा रहा है ऐसी विभिन्न मांगों को लेकर आज आदिवासी समाज ने बिछुआ में उग्र प्रदर्शन देखने को मिला..।

डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण के लिए किया सर्वे

छिंदवाड़ा। डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण के लिए शहरी क्षेत्र छिंदवाड़ा के वार्ड नं 19 पातालेश्वर में 3 दल द्वारा 134 घरों में लार्वा सर्वे किया गया व 11 घरों में पाए लार्वा को लार्वानाशक दवाई डालकर/खाली कराकर नष्ट कराया गया। जनसमुदाय से अपील है की अपने घर के सभी पानी के कंटेनर, कूलर, फ्रिज ,टांके टंकिया, टायर को प्रति सप्ताह जांच ले की एडीज मच्छर के लार्वा तो नही पनप रहे, व खाली कर सफाई कर दे। पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढांकना संभव न हो तो उनमें मीठा तेल प्रति सप्ताह डालें। मच्छरों के काटने से स्वयं बचाव करे, पूरे शरीर ढकने वाले कपड़े पहने, दिन के समय बच्चों व वृद्धों को मच्छरदानी के अंदर सोने की सलाह दी जावे, मॉस्किटो कॉइल का उपयोग करे, शाम के समय नीम पत्तियों का धुआं करे। तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकत्ते, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ो में दर्द, नाक व मसूड़ों से रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर डेंगू की जिला चिकित्सालय/छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज में डेंगू एलिसा टेस्ट निःशुल्क कराए। इस प्रकार जिले में डेंगू के संचरण के प्रसार को समाप्त/कम करने में सहयोग करें।

हरदा पुलिस एवं प्रशासन की बर्बता और अत्याचार के खिलाफनिष्पक्ष जांच की मांग

जिला राजपूत क्षत्रिय सभा ने ज्ञापन सौपा

छिंदवाड़ा। गत दिनों हरदा में निहत्थे करणी सैनिकों पर हरदा जिला प्रषासन एवं पुलिस प्रशासन ने शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन आंदोलन कर रहें, राजपूत नौजवानों पर निर्ममता से बरबर्ता पूर्वक लाठी चार्ज की गयी, आंसूगैस छोड़े गये, एवं जे.सी.बी. से गाड़ियों को क्षतिग्रस्त किया गया, सैकड़ों की संख्या में राजपूत नौजवानों को जेल के अंदर डाल दिया गया। यह काम पूर्णतः आलोकतांत्रिक तरीके से प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अपने पद का दुरूप्रयोग करते हुए किया गया। इसी सदंर्भ में जिला राजपूत क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष राजेश सिंह बैस के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में सामाजिक बंधुओं से कलेक्टर ऑफिस पहूंचकर महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार नई दिल्ली को कलेक्टर छिंदवाड़ा के माध्यम से ज्ञापन सौपा, ज्ञापन सौपते हुए हरदा पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रषासन द्वारा किये गये कुकृत्यों की निष्पक्षता से जांच कर दोषी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ सक्त से सक्त कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया गया। कार्यक्रम में जिला राजपूत क्षत्रिय सभा के उपाध्यक्ष जितेन्द्रसिंह चौहान, सुनील सिंह बघेल, संदीप सिंह चौहान, अरूण प्रताप सिंह राजपूत, रणधीर सिंह ठाकुर, जित्तू बैस, प्रीतम सिंह कच्छवाह, रविसिंह चंदेल, सत्यम सिंह राजपूत, आकाश सिंह चौहान, अजय जनेवार, प्रेमसिंह सक्रवार, शैलेन्द्रसिंह राजपूत, पप्पू ठाकुर, ऋशिराज बैस, रविराज सिंह भारद्वाज, दिगम्बर सिंह राजपूत, श्रीओम बैस, निलेष सिंह राजपूत, बंटी राजपूत, धनंजय सिंह ठाकुर सहित सैकड़ो की संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थें।

विधायक की जनसुनवाई में पहुंचे शिव मंदिर के भक्त ,मंदिर की भूमि का सीमांकन की मांग

बड़ी संख्या में जनसुनवाई में आये नागरिको की विधायक ने सुनी समस्याएं,जनसुनवाई में आये 55 आवेदन

आष्टा । आष्टा जनपद पंचायत के ग्राम दरखेड़ा में स्तिथ शिव मंदिर समिति के सदस्य आज आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर द्वारा प्रति बुधवार को आम जन की समस्याओं को सुनने आयोजित जन सुनवाई में पहुचे एवं विधायक को अपनी समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि ग्राम दरखेड़ा में शिव मंदिर है,इस मंदिर के अधिपत्य की करीब एक एकड़ जमीन है । मन्दिर की उक्त जमीन का सीमांकन नही किया जा रहा है,उसका सीमांकन कराया जाये ।

जनसुनवाई में कई ग्रामो से ग्रामीण विधायक कार्यालय में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में पहुचे । जनसुनवाई में करीब 55 आवेदन ग्रामीणों की ओर से दिये गये है । स्मरण रहे प्रत्येक बुधवार को आष्टा विधायक अपने कार्यालय में सुबाह 10 बजे से जनता की समस्याओं को सुनने,उनेह हल करवाने के लिये जनसुनवाई करते है । आज बुधवार को प्रातः 10 बजे से कार्यालय में उपस्तिथ रह कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनता की समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं को हल करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये । आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर जो की हर बुधवार को अपने कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत उपस्तिथ रहते है । आज भी बड़ी संख्या में क्षेत्र से नागरिक जनसुनवाई में पहुचे एवं अपनी अपनी पीड़ा से विधायक को अवगत कराया एवं आवेदन दिये। जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा की आपका जन सेवक होने के नाते आपकी समस्याओं को सुनना, हल करना मेरा धर्म है। आज आये आवेदनों को तत्काल सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये ।

विधायक ने जनसुनवाई में पहुचे मीडिया के साथियों से चर्चा में कहा की जनसुनवाई में जो भी आवेदन चाहे वे किसी मांग के हो या समस्या के निराकरण के हो उसकी हम साप्ताहिक समीक्षा करते है,जिन विभागों को आये आवेदन भेजे जाते है,उनसे भी कार्यवाही की जानकारी ली जाती है तथा जब विभागीय समीक्षा बैठक होती है उसमें भी भेजे गये आवेदनों पर की गई कार्यवाही की जानकारी ली जाती है । कई ग्राम सड़को से अछूते है इसको लेकर विधायक ने कहा की जो ग्राम सड़को से छूटे है वे सभी ग्राम सड़को से जुड़ेंगे । कई के प्रस्ताव जा चुके है,शेष के प्रस्ताव जो नये प्राप्त हुए है उनेह भी भेजे जा रहे है । आज जनसुनवाई में कई विभागों के जैसे आवेदन प्राप्त हुए उन्हें निराकरण हेतु भेजे गये । विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कार्यालय आये सभी नागरिको को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का जल्द निराकरण होगा।

आवारा पशुओं को सड़क पर से हटाने के लिए नगरपालिका ने शुरू की मुहिम

सिरोंज। स्थानीय नगरपालिका परिषद ने नागरिकों की सुविधा के लिए शहर के प्रमुख मार्गो पर विचरण करने वाले लावारिस पशुओं को एकत्रित करके लटेरी रोड स्थित पुराने बस डिपो में अस्थाई गौशाला बनाकर जनहित में मुहिम शुरू की है।

मंगलवार शाम से रोड पर बैठे आवारा पशुओं को हटाने के लिए शुरुआत भोपाल रोड से की गई। महामाई गेट से अस्पताल सहित लटेरी नाके तक अनेक पशुओं का जमावड़ा सिरोंज भोपाल मार्ग पर लगा रहता है। बारिश के मौसम में एक्सीडेंट होने का खतरा भी बढ़ जाता है इसी लिहाज से विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर शुरू की गई इस मुहिम में मंगलवार रात करीब डेढ़ सौ आवारा पशुओं को अस्थाई गौशाला में बंद किया गया हैं। स्थानीय नगर पालिका प्रशासन के सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि हमने अस्थाई गौशाला में लाए जा रहे पशुओं के भोजन के लिए चारे तथा पीने के पानी की भी व्यवस्था की है। यह मुहिम हमारी लगातार चलेगी इसी क्रम में बुधवार की शाम को छतरी चौराहे से यह मुहिम शुरू की गई । पशुओं को घेर कर ले जाने वाले दल में शामिल स्वास्थ्य शाखा के कर्मचारियों ने लिंक रोड,मंडी बायपास रोड,बस स्टैंड,थाना मार्ग के सड़क पर बैठे हुए पशुओं को इस गौशाला में पहुंचाया।

उल्लेखनीय हे कि बारिश के दिनों में लोगों द्वारा आवारा छोड़े गए पशु सुखी जगह की तलाश में सड़कों पर आकर डेरा जमा लेते हैं जिससे दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाता है तथा वाहन चालकों व पशुओं की मौत भी हो जाती है। नागरिकों तथा पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगरपालिका प्रशासन द्वारा यह कदम उठाया गया है।

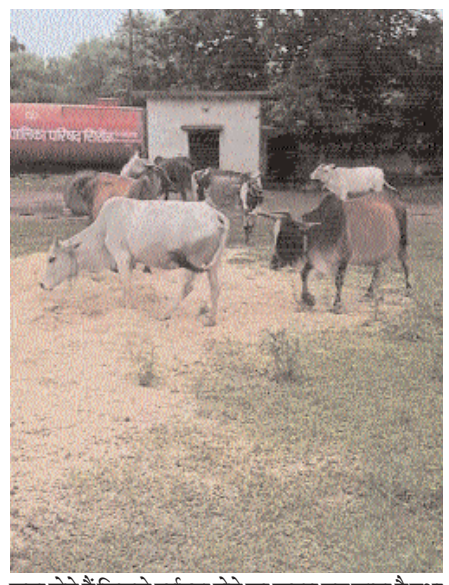

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

न्यायामूर्ति संजीव सचदेवा ने मध्यप्रदेश के 29 वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ ग्रहण की

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद पर न्यायामूर्ति संजीव सचदेवा आज सुबह 10.30 बजे राजभवन में शपथ ग्रहण की मध्यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम मांगू भाई पटेल मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण कराई।

न्यायामूर्ति संजीव सचदेवा मूलतः दिल्ली निवासी है 26 दिसंबर 1964 में उनका जनम हुआ बचपन से ही न्यायिक क्षेत्र में जाने की रुचि थी उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल मथुरा रोड से 1982में विद्यालयीन शिक्षा ली उसके बाद श्रीराम कॉलेज से वाणिज्य की स्नातक उपाधि 1985 में प्राप्त की उसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से 1988 में विधि की उपाधि प्राप्त की ओर 1988 से ही दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में सनद प्राप्त कर वकालत प्रारंभ की न्यायामूर्ति संजीव सचदेवा को 1992 में ब्रिटिश काउंसिल से स्कॉलरशिप भी मिली ओर लंदन स्कूल ऑफ स्टडीज कॉमनवेल्थ यॉन्ग लॉयर्स में भी भाग लिया।

1995 में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की ओर अपनी प्रतिभा ओर प्रतिष्ठा से 2011 में वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किए गए ओर 2 वर्ष पश्चात ही दिल्ली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किए गए उनके सफल सेवाकाल पर 2015 में ही स्थाई न्यायाधीश हो गए। 2024 में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किए 24 मई 2025 से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने और आज मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद पर स्थाई मुख्य न्यायाधीश पदस्थ हो गए है।

भोपाल में अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन बोट क्लब पर किया गया। इस रैली में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। सेना में बतौर अग्निवीर भर्ती होने के लिए युवा आए।

इंदौर-मुंबई के बीच वंदे भारत ट्रेन की मांग, सुमित्रा महाजन 'ताई' ने रेलवे मंत्री को लिखा पत्र

इंदौर। रेलमार्ग पर तीव्र यात्री यातायात और सुविधाजनक यात्रा के लिए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन 'ताई' ने रेलवे मंत्री को पत्र लिखकर स्पेशल मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने स्पष्ट कहा कि इंदौर और मुंबई के बीच रेल यात्रियों का दबाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन हाईस्पीड एवं आधुनिक स्वरूप की कोई ट्रेन रोजाना इस रूट पर नहीं चलती, जिससे यात्रियों को सुविधा नहीं मिल पा रही है। उन्होंने अपने पत्र में दो प्रमुख मांगे रेल मंत्री के समक्ष रखी, इंदौर-मुंबई मार्ग पर वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक, तेज़ और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली यात्री ट्रेन शुरू की जाए। यदि तत्काल वंदे भारत ट्रेन संभव नहीं है, तो वर्तमान में संचालित इंदौर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने की अनुमति दी

जाए, जिससे यात्रियों को रोज सुगमता हो और अतिरिक्त भीड़ का दबाव कम हो सके।

सुमित्रा महाजन ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि इंदौर मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण औद्योगिक और व्यापारिक केन्द्र है तथा मुंबई देश की आर्थिक राजधानी, समय की बचत, व्यापारिक सुलभता और पर्यटन को देखते हुए इस मार्ग पर तेज़ सेवाओं की सख्त जरूरत है। वर्तमान सुविधाओं के अभाव में यात्री अक्सर लंबी वेटिंग, ट्रैन बुकिंग की दिक्कत और यात्रियों की भीड़ का सामना करते हैं। रेलवे प्रशासन को लिखे गए इस पत्र का उद्देश्य है कि इंदौर-मुंबई रूट पर या तो हाईस्पीड वंदे भारत शुरू की जाए, या फिर कम से कम दुरंतो एक्सप्रेस जैसी तेज़ ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जाए। उम्मीद है सरकार जल्द ही इस जनहित मांग पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

प्रदेश के 12 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट, 4 इंच तक गिर सकता है पानी

भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार तेज बारिश का दौर चल रहा है। बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश हुई जबकि गुरुवार को ग्वालियर समेत उत्तरी हिस्से के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान जिन जिलों में भारी बारिश का अनुमान है, उनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना शामिल हैं। यहां 4 इंच तक बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर में हल्की बारिश होने की संभावना है।

जारी तेज बारिश से कई डैम ओवरफ्लो

मध्यप्रदेश में पिछले एक महीने से जारी तेज बारिश की वजह से बांधों में पानी बढ़ गया है। जोहिला, बरगी, बाणसागर, सतपुड़ा समेत कई डैम तो ओवरफ्लो भी हो रहे हैं। इनमें जुलाई में जितना पानी आना चाहिए, उससे कई गुना ज्यादा आ गया। इस वजह से गेट खोलने पड़े हैं। बरना, गांधीसागर, गोपीकृष्ण, इंद्रा सागर, केरवा, कलियासोत, कोलार, कुंडालिया, कुशलपुरा, मोहनपुरा, ओंकारेश्वर, राजघाट, बरगी, संजय सागर, तवा, टिल्लर, तिघरा, पेंच, सतपुड़ा समेत कुल 54 डैमों में पानी बढ़ा है। भोपाल के बड़ा तालाब में भी अच्छे-खासी पानी की आमद हो गई है। साढ़े 6 फीट पानी आते ही तालाब ओवरफ्लो हो जाएगा और फिर भदभदा डैम के गेट खोलने पड़ेंगे।

हिल स्टेशन पचमढ़ी में 1 इंच बारिश

बुधवार को जबलपुर-ग्वालियर में 9 घंटे के अंदर 1.1 इंच पानी गिर गया। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में 1 इंच, मंडला में पौन इंच और दतिया में आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई। इसी तरह रतलाम, उज्जैन, दमोह, छतरपुर के खजुराहो, रीवा, सीधी, बालाघाट, शहडोल, शिवपुरी, डिंडौरी, मऊगंज, बैतूल, आलीराजपुर समेत कई जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल में शाम को मौसम बदला। रात में हल्की बारिश भी हुई। आलीराजपुर में लगातार बारिश से उर नदी में जलस्तर तेजी से बढ़ गया। शहडोल के बाणसागर डैम के 8 गेट खोल दिए गए। वहीं, बैतूल जिले के सारणी में सतपुड़ा बांध के 5 गेट 2 फीट तक खोले गए।

2 दिन तक भारी बारिश का अनुमान

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश से एक मानसून ट्रफ गुजर रही है। इस वजह से उत्तरी हिस्से में अगले 2 दिन तक भारी बारिश का अलर्ट है। बता दें कि इस मानसूनी सीजन में प्रदेश में औसत 18.5 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि अब तक 11 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से साढ़े 7 इंच बारिश ज्यादा हो चुकी है। इस बार पूर्वी हिस्से में मानसून मेहरबान रहा है।

यह खुशियाँ कुछ हटके

माता मंदिर निगम कार्यालय पर नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भोपाल को स्वच्छता के लिए देश में दूसरा स्थान प्राप्त होने पर स्वच्छता मित्रों के साथ खुशियां साझा की।

सोशल मीडिया से

सदानंदन मास्टर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए नामित किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 4 हस्तियों को राज्यसभा के लिए नामित किया है। इनमें सामाजिक कार्यकर्ता सदानंदन मास्टर भी हैं। यह नाम केरल से आने वाले स्वयंसेवक सदानंदन मास्टर का है जिनके पैर कम्युनिस्टों ने 1994 में काट दिए थे। 61 साल के केरल के सदानंदन मास्टर को केरल के कन्नूर जिले के पहले शिक्षक होने का गौरव प्राप्त है। वह बीते लगभग 5 दशक से आरएसएस के स्वयंसेवक हैं। वर्तमान में सदानंद कृत्रिम पैरों के सहारे समाज सेवा में सक्रिय हैं।

प्रधान को पुष्पांजलि अर्पित कर किया पौधरोपण

भोपाल। पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय केएन प्रधान की 26वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को प्रातः 10 बजे पुष्पांजलि एवं पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान केएन प्रधान प्रतिमा स्थल, राजभवन मार्ग, बाणगंगा चौराहा पर पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, क्षेत्रीय विधायक भगवान दास सबनानी आदि उपस्थित रहे।

नवीनग्राम- गांव की नई दृष्टि से कल्पना पर कार्यशाला

भोपाल। उन्नत ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना (जीपीएसडीपी) पर राष्ट्रीय दो दिवसीय कार्यशाला को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (मिंटो हॉल), भोपाल में संबोधित करते हुए भारत सरकार के सचिव विवेक भारद्वाज। कार्यशाला में राज्य प्रतिनिधियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया गया।

प्रदेश में सॉफ्टवेयर बताएगा सही जगह, अब नहीं सूखेंगे पौधे

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब पौधरोपण से पहले जमीन की गुणवत्ता और पानी की उपलब्धता पता की जाएगी। इसके लिए सॉफ्टवेयर डेवलप किया गया है। जिसका नाम सॉफ्टवेयर फॉर आईडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर (सिपरी) रखा गया है। मनरेगा परिषद इस एप द्वारा पहले जीआईएस से लोकेशन सर्च करेगी। जो वहां की जलवायु, भौगोलिक स्थिति, मिट्टी की संरचना और कौन-से पौधे यहां चलेंगे इसकी जानकारी देगा। इसके बाद ही पौधे लगाए जाएंगे। मनरेगा परिषद के आयुक्त अवि प्रसाद ने बताया कि सही लोकेशन पर सही पौधे लगाने से वे विकसित हो सकेंगे। अब तक बिना मापदंड के पौधरोपण हो रहा था, लेकिन ज्यादातर मॉनीटरिंग और जलवायु के अनुसार नहीं होने से नष्ट हो जाते थे। अब सैटेलाइट इमेज के माध्यम से मौके की मॉनिटरिंग भी की जाएगी। सिपरी सॉफ्टवेयर को मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद और इसरो की मदद से डेवलप किया है। इसका उपयोग अभी तक सिर्फ जल संरक्षण परियोजनाओं में हो रहा था। अब पौधरोपण भी वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग और डेटा विश्लेषण के आधार पर होगा।

यह होगा एप के काम करने का तरीका

एप सैटेलाइट की मदद से पौधरोपण वाले स्थान की तस्वीर लेकर उसका विश्लेषण करेगा। मौसम का पूर्वानुमान बताएगा। किस जगह पर्याप्त बारिश हुई है, यहां कौन-से पौधे लगेंगे। उनके लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी है या नहीं। कितने पौधे किस पद्धति से लगाए जाएंगे, इसकी भी अपडेट देगा। जीयो टैग होने के बाद उसकी ऑनलाइन मॉनिटरिंग भी हो सकेगी।